दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादक: अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 | वर्ष 31 | अंक 99 | नई दिल्ली | शनिवार 11 अप्रैल, 2026 | मूल्य एक रुपया | कुल पृष्ठ: 8 | फोन 97111 01161 | ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

हिमाचल में मणिमहेश यात्रा रुकी

चंबा, 10 अप्रैल (निस) हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में प्रसिद्ध मणिमहेश यात्रा पर फिलहाल प्रतिबंध लगा दिया गया है। भरमौर के एसडीएम ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि धंछो, गौरीकुंड और मणिमहेश परिक्रमा मार्ग पर सख्त निगरानी रखी जाए और किसी भी यात्री को धंछो से आगे न जाने दिया जाए।

हादसे में छह की मौत

रायपुर, 10 अप्रैल (निस) छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार की देर रात एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना हुई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। जिले के नाथिया नवागांव के पास दो तेज रफ्तार कारों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मथुरा में श्रद्धालुओं से लदा स्टीमर टकरा कर पलटा, दस की मौत, योगी ने दुख जताया

22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, पंजाब से अधिक श्रद्धालू

मथुरा 10 अप्रैल (निस) उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक दर्दनाक हादसे ने श्रद्धालुओं को झकझोर कर रख दिया। यहां श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पांटून पुल से टकराकर अचानक पलट गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में अब तक 10 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। इस हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार, नाव में सवार श्रद्धालु पंजाब के लुधियाना शहर से आए थे और वृंदावन से देवराहा बाबा मठ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नाव मरम्मत कार्य चल रहे पांटून ब्रिज से टकरा गई और संतुलन बिगड़ने से पलट गई।

राहत और बचाव अभियान तेज

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और फायर ब्रिगेड के जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद 22 श्रद्धालुओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

प्रशासन और सरकार अलर्ट

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने और घायलों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

हादसे की वजह-प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पांटून पुल पर मरम्मत कार्य चल रहा था और उसी दौरान नाव उससे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि नाव पलट गई और उसमें सवार लोग नदी में गिर गए।

भाजपा के बंगाल संकल्प पत्र में विकास, रोजगार पर अधिक बल

यूसीसी से लेकर महिलाओं को वित्तीय मदद जैसे बड़े वादे

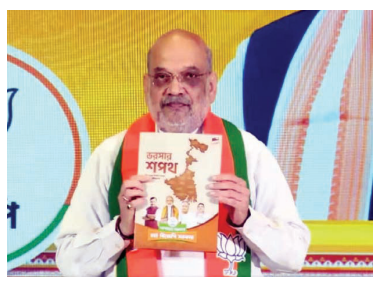

कोलकाता 10 अप्रैल (निस) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपना बहुप्रतीक्षित चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इस घोषणापत्र को जारी किया, जिसे पार्टी ने 'भरोसा पत्र' नाम दिया है। इस संकल्प पत्र में महिलाओं, युवाओं और कर्मचारियों समेत विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखते हुए कई बड़े वादे किए गए हैं।घोषणापत्र जारी करते हुए अमित शाह ने कहा कि यह दस्तावेज़ बंगाल में सोनार बांग्ला के निर्माण का आधार बनेगा। उन्होंने राज्य की सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में जनता की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकीं, जिससे अब राज्य में बदलाव की मांग तेज हो गई है। बीजेपी के घोषणापत्र में सबसे प्रमुख वादों में महिलाओं को हर महीने 3000रुपये की आर्थिक सहायता देना शामिल है, जो हर महीने की 1 से 5 तारीख के बीच सीधे उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इसके अलावा बेरोजगार युवाओं को भी 3000 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया गया है। पार्टी ने दावा किया है कि सत्ता में आने पर एक करोड़ रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे।

सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बड़े ऐलान - सरकारी कर्मचारियों के लिए भी बड़े ऐलान किए गए हैं। अमित शाह ने कहा कि बकाया महंगाई भत्ता (डीए) का भुगतान किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य में सभी केंद्रीय योजनाओं, जैसे आयुष्मान **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

हिमाचल में पंजाब के श्रद्धालुओं की 100 फीट गहरी खाई में गिरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, तीन की मौत

कांगड़ा 10 अप्रैल (निस) पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ हिमाचल प्रदेश में बड़ा हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली गहरी खाई में गिर गई। मौके का मंजर देख हर कोई सन्न रह गया। हादसे का शिकार हुए श्रद्धालु पंजाब से थे और चिंतपूर्णी मंदिर से ज्वालाजी मंदिर जा रहे थे।

100 फीट गहरी खाई में ट्रैक्टर ट्रॉली--श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली 100 फीट गहरी खाई में पलट गई। पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ ये हादसा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में नेशनल हाईवे-403 पर ढलियारा स्थित राधा स्वामी सत्संग घर के पास घटा। पंजाब के श्रद्धालु चिंतपूर्णी मंदिर से ज्वालाजी मंदिर जा रहे थे, इस दौरान हादसा घट गया। इस हादसे में 3 की मौत व छोटे बच्चों सहित 32 के घायल होने की सूचना है। घायल श्रद्धालुओं को देहरा के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। ब्रेक फेल से घटा हादसा-मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली में 35 से ज्यादा श्रद्धालु सवार थे और सभी कपूरथला से माथा टेकने के लिए पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि चिंतपूर्णी से ज्वालाजी मंदिर जाते वक्त ढलियारा मोड़ पर ट्रैक्टर-ट्रॉली के ब्रेक फेल हो गए और अनियंत्रित होकर सीधा खाई में जा गिरी।

बंगाल और तमिलनाडु में हार के डर से पीएम को याद आया महिला आरक्षण विधेयक-रमेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) महिला आरक्षण विधेयक को लेकर देश सियासत चरम पर है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया लेख पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर चुनावी हथकंडा बताया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में महिलाओं का समर्थन पाने प्रधानमंत्री मोदी ने मुद्दे पर यू-टर्न लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के एकमात्र चैंपियन के रूप में दिखाने मीडिया में लेख लिखना शुरू किया है। दरअसल, उन्हें भारत की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को तब संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था, तब कांग्रेस ने बिल को 2024 से ही लागू करने की मांग की थी, लेकिन यह प्रधानमंत्री मोदी को स्वीकार्य नहीं था। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिला आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की कवायद पर निर्भर बनाया था, इस काम को कराने में विफल रहे और फिर कई वर्षों तक टालते रहे। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया, ''अब जब निर्वाचन आयोग के केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करने के बावजूद विधानसभा चुनावों में (भाजपा की) हार तय दिख रही है, तब 30 महीनों बाद पीएम मोदी ने अपना मन बदल दिया है। वे चाहते हैं कि हम जनगणना को भूल जाएं और जनगणना आधारित परिसीमन को आधार पर भूल जाएं कि इसमें बहुत लंबा समय लगेगा।'' उन्होंने कहा कि यह तथ्य के बावजूद है कि उनके जनगणना पंजीयक ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के परिणाम 2027 तक सामने आ जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह एक कहानी है जो झूठ और गोलमोल बातों पर आधारित है। यह सब उम्मीद से किया गया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की महिलाएं भाजपा का समर्थन करेंगी। आखिरकार, भाजपा के पास इन राज्यों में किसी अन्य मुद्दे पर कोई सार्थक विमर्श नहीं है।''दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह पूरे भारत में करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से इस कदम का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित लेख में कहा था कि यह कदम उस सिद्धांत की पुष्टि है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) कांग्रेस नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेंलगाना की अदालत ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत के लिए उन्हें निर्धारित समय के अंदर सक्षम अदालत के पास जाना होगा। मामले में फैसला न्यायमूर्ति के. सुजाना ने सुनाया, जिन्होंने एक दिन पहले कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई की थी। यह आदेश उस समय में आया है जब कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा 7 अप्रैल से जांच एजेंसियों की नजरों से दूर बताए जा रहे थे। दरअसल, असम और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर खेड़ा से पूछताछ करने उनके दिल्ली स्थिति आवास पर पहुंची थी, लेकिन वे वहां मौजूद नहीं मिले। यह कार्रवाई उस मामले में हो रही थी जिसमें कांग्रेस नेता खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर तीन विदेशी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इस बीच, कांग्रेस नेता खेड़ा ने अग्रिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

विपक्षी दलों पर लगाया किसानों को गुमराह करने का आरोप...

मंडियों में फसल खरीद के पुख्ता इंतजाम, किसानों को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी-सीएम सैनी

चंडीगढ़, 10 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल फसल खरीद को लेकर किसानों को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनके अपने शासनकाल की बदहाल व्यवस्थाएं किसी से छिपी नहीं हैं। वर्तमान सरकार ने मंडियों में सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। प्रत्येक मंडी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों को जिलों की जिम्मेदारी दी गई है और मंत्री, विधायक व प्रशासनिक अधिकारी लगातार मंडियों का दौरा कर रहे हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि 10 साल हरियाणा में कांग्रेस का शासन रहा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने शासन नहीं किया बल्कि राज किया। उनके राज में किसानों को क्या—क्या परेशानियां होती थी। उस दौरान किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए 3 से 7 दिन तक मंडियों के बाहर लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता था। बोरियों की सप्लाई भी नहीं होती थी। मंडी में पड़ी फसल भी बारिश में भिगती थी, तो किसान अपने पैसे से तिरपाल लेकर आता था। कांग्रेस बताए कि उन्होंने अपने 10 साल में फसल सुरक्षा के लिए कितने गोदाम बनाए हैं। कांग्रेस के समय में फसल के अंदर कटौती होती थी। इनके समय में सिस्टम बहुत धीमा था। किसानों को पैसा भी समय पर नहीं मिलता था। यहां तक कि इनके समय में ये मुआवजे के भी 2—2 रुपये के चैक किसानों को देते थे और किसान का मजाक बनाते थे। आज हमारी सरकार उन व्यवस्थाओं को ठीक कर रही है तो कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की फसल का एक—एक दाना खरीदने का काम सरकार करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियां देश के लिए ठीक नहीं थी, बल्कि उनके परिवार के लिए ठीक थी। इनकी गलत नीतियों के कारण इन्होंने देश को पीछे धकेला। कांग्रेस के आज हालात ऐसे हो गए हैं, जैसे पानी के बाहर मछली को रख दिया हो।उन्होंने कहा कि आजादी के बाद यदि गरीब की चिंता किसी ने की है तो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने की है। उनकी सोच थी कि गांव—गांव तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे और जो व्यक्ति किसी कारण से भी सरकारी कार्यालयों में नहीं जा सकते, उन तक भी योजनाओं को पहुंचाया जाए। इसके लिए विकसित भारत यात्रा हर गांव और हर घर तक पहुंची है, जिससे हर गरीब व्यक्ति मजबूत और सशक्त हुआ है।

मंडियों में सरसों और गेहूं की सुचारू खरीद जारी - मुख्यमंत्री ने फसल खरीद की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में गत 28 मार्च से सरसों की खरीद **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

राघव चड्ढा ने फिर कहा-मैंने हमेशा जनहित के मुद्दों पर चर्चा की, एतराज क्यों, वीडियो जारी कर दिया जवाब

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वे आलोचनाओं का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि अपने काम से देना पसंद करते हैं। वीडियो में उन्होंने कई अहम विषयों को प्रमुखता से उठाया है, जिसमें डेटा प्राइवेसी, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने की मांग और बैंकों द्वारा न्यूनतम बैलेंस पर लगाने वाले जुर्माने को समाप्त करने जैसे जनहित के मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा खाद्य मिलावट, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के अतिरिक्त बैगेज शुल्क और पेपर लीक जैसे गंभीर मामलों पर भी उन्होंने अपनी बात रखी। राघव चड्ढा ने वायु प्रदूषण, गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर अधिक वसूली और महंगे एयरपोर्ट खाद्य पदार्थों जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने लोगों को राहत देने के लिए मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की वकालत की। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जाहिर की है।

वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांगों और सशस्त्र बलों पर टैक्स में राहत, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और 'राइट टू हायर, राइट टू फायर' जैसे विषय भी शामिल रहे। उन्होंने महंगाई, पंजाब की 'कैंसर ट्रेन', जल संकट और भूजल की कमी जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इसके अतिरिक्त शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई, वेतन इंडेक्सेशन, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, भ्रामक ब्रांडिंग और ग्रामीण बैंकिंग ढांचे को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने भगत सिंह को भारत रत्न देने, 'वन नेशन, वन मेडिकल ट्रीटमेंट', मासिक धर्म स्वच्छता और श्री ननकाना साहिब कॉरिडोर जैसे विषयों को भी उठाया। कुल मिलाकर, यह वीडियो उनके संसदीय कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का एक प्रयास है।

यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी, मतदाता सूची से हटाए गए दो करोड़ से अधिक नाम

लखनऊ 10 अप्रैल (निस) उत्तर प्रदेश में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस व्यापक अभियान के दौरान प्रदेश में दो करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से डिलीट किए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को कर दिया गया है। यह प्रक्रिया पूरे देश में एक साथ संचालित की गई।उन्होंने बताया कि प्रदेश में गणना चरण 4 नवंबर 2025 से 26 दिसंबर 2025 तक चला, जबकि दावे और आपत्तियों के लिए 6 जनवरी से 6 मार्च 2026 तक का समय दिया गया था। इसके बाद 27 मार्च तक सभी दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया गया। रिनवा ने कहा कि कोई भी मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपना नाम देख सकता है। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पुन: पंजीकरण करा सकते हैं।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, बूथ लेवल एजेंटों और आम जनता का व्यापक सहयोग मिला।

हिमाचल हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को झटका

शिमला, 10 अप्रैल (निस) कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका लगा है। राज्यसभा चुनाव में भाजपा नेता हर्ष महाजन के निर्वाचन को लेकर कांग्रेस नेता सिंघवी ने याचिका दाखिल की थी। इस मामले में सिंघवी ने आवेदन दाखिल कर महाजन की ओर से दी गई गवाहों की सूची और क्रॉस एगजामिनेशन को लेकर आवेदन दाखिल किया था। हिमाचल हाईकोर्ट ने सिंघवी के उक्त आवेदन को खारिज किया। साथ ही अदालत ने महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची को वैध माना है। हाईकोर्ट ने कहा है कि चुनाव से जुड़े ट्रायल में गवाह आवश्यक हैं। उल्लेखनीय है कि सिंघवी ने अपने आवेदन में हाईकोर्ट के समक्ष आग्रह किया था कि केस में गवाहों की जरूरत नहीं है और न ही किसी प्रकार के विस्तृत साक्ष्यों की जररुत है। हाईकोर्ट ने सिंघवी के इस आवेदन को खारिज किया। हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव याचिका एक ट्रायल बेस्ड प्रोसीडिंग है। इसमें साक्ष्यों के साथ-साथ गवाहों की भूमिका भी अत्यंत आवश्यक है।

अदालत ने कहा कि भाजपा नेता महाजन की तरफ से पेश की गई गवाहों की सूची प्रक्रिया के अनुरूप उचित और वैलिड है। यहां बता दें कि 10 मार्च को हाईकोर्ट ने इस आवेदन के संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित किया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट पर जापानी समकक्ष से बात की

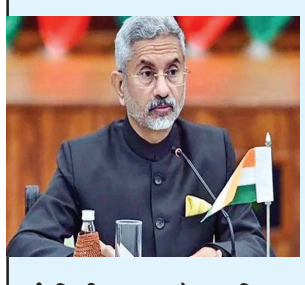

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस): भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने अपने जापानी समकक्ष तोशिमित्सु मोटेगी से शुक्रवार को फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज स्ट्रेट के खोलने को लेकर ताजा स्थिति पर चर्चा की। जापानी विदेश मंत्री ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान मारे गए भारतीयों के प्रति शोक जाहिर किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, जापानी विदेश मंत्री मोटेगी से बात करके अच्छा लगा। पश्चिम एशिया में होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सहित विकास पर चर्चा हुई। हम दोंनो ने मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात, होर्मुज स्ट्रेट में नेविगेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने सहित हालात को स्थिर करने और ऊर्जा और संसाधनों की सप्लाई क्षमता की मजबूती बढ़ाने जैसे दूसरे मुद्दों पर बात की।

सुनील जाखड़ ने सीएम मान को पत्र लिखकर मौसम से प्रभावित किसानों को राहत देने की मांग की

मोहाली 10 अप्रैल (निस) भारतीय जनता पार्टी के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पंजाब सरकार को एक पत्र लिखा है। जाखड़ ने कहा कि, पंजाब सरकार 13 अप्रैल को होने वाले विशेष विधानसभा सत्र में राज्य के किसानों के लिए फसल बीमा योजना लागू करने का ऐलान करे। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को एक पत्र भी लिखा है। भाजपा अध्यक्ष जाखड़ ने कहा कि भारत सरकार द्वारा पूरे देश के लिए फसल बीमा योजना बनाई गई है, लेकिन पंजाब सरकार इसे लागू नहीं कर रही है, जो किसानों के साथ बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि इस समय पंजाब का किसान बड़ी प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है। बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से बड़े स्तर पर फसलों का नुकसान हुआ है। इससे पहले 2023 और 2025 में आई बाढ़ों ने भी भारी तबाही मचाई थी और अभी भी कई किसानों को मुआवजा नहीं मिला है, क्योंकि पंजाब में कोई फसल बीमा योजना लागू नहीं है।

सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि 3 साल पहले यह घोषणा की गई थी कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जगह पंजाब सरकार अपनी कृषि बीमा योजना लाएगी। लेकिन 3 साल बीत जाने के बावजूद और हजारों करोड़ के नुकसान के बाद भी यह योजना अभी तक लागू नहीं हुई है।

नीतीश कुमार ने रास सदस्य के रुप में ली शपथ, चारों सदनों में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर एक अनोखा राजनीतिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वे अब भारत के ऐसे पहले नेता बन गए हैं, जो लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद, चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं। राज्यसभा में उन्हें उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, निर्मला सीतारमण और अर्जुन राम मेघवाल समेत बिहार एनडीए के कई नेता शामिल थे। शपथ ग्रहण के बाद माहौल हल्का-फुल्का भी नजर आया। राज्यसभा सांसद संजय झा ने हस्ताक्षर के लिए उन्हें पेन दिया, जिस पर नीतीश कुमार मुस्कुराते हुए बोले- हो गयाज चलें?

नीतीश कुमार ने अपने लंबे राजनीतिक करियर में कई अहम पद संभाले हैं। वे पहले लोकसभा सांसद रह चुके हैं।

सम्पादकीय

सीजफायर पर काले बादल

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया था। अभी तक ईरान को लेकर जो साजिश इजरायल और अमेरिका ने रची थी, उसमें से कोई भी साजिश कामयाब नहीं हो पाई है। जिस तरह से ईरान पर हमला करके धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के प्रथम पंक्ति के नेताओं की इजरायल द्वारा हत्या की गई, स्कूल में मिसाइल दागकर 180 से ज्यादा बच्चियों की हत्या की गई, इसके बाद ईरान एकजुट हुआ। अपने धर्म गुरु की हत्या को शहादत मानते हुए संपूर्ण ईरान ने एकजुटता का परिचय दिया है। जिस तरह से कर्बला की जंग का इतिहास है लगभग उसी तरह से ईरान अब इस लड़ाई को लड़ रहा है। अमेरिका ने चीन और पाकिस्तान के माध्यम से एक बार फिर ईरान को वार्ता के लिए आमंत्रित करते हुए 15 दिन का सीजफायर दोनों ने स्वीकार किया था, लेकिन इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू नहीं चाहते हैं कि अमेरिका युद्ध से बाहर हो। इजरायल ने लेबनान पर हमला किया, लेबनान ने जवाबी हमला किया। इसके बाद ईरान को भी इस कार्रवाई पर हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जिसके कारण यह युद्धविराम हवा-हवाई की तरह है। युद्ध विराम चलेगा या नहीं इसको लेकर भी तरह-तरह की आशंका जताई जाने लगी हैं। अमेरिका द्वारा ईरान के ऊपर जो हमला किया गया है वह पूरी तरह से अंतर्राष्ट्रीय नियम और कानून के अनुसार अवैध है। इजरायल और अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय कानून से ऊपर होकर पिछले कई वर्षों से फिलिस्तीन और गाजा पट्टी पर कहर बरपा रहे थे। नेतन्याहू और ट्रंप अपने आप को भगवान से भी ऊपर मानते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री पिछले 20 वर्षों से ग्रेटर इजरायल का सपना दिखाकर सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहु के चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने के लिए यही फार्मूला अमेरिका में अपनाया। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए अपना आदर्श भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मानते हैं। उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए दक्षिणपंथी विचारधारा को अमेरिका में बढ़ाने का काम किया। उन्हें सफलता भी मिली। वह दूसरी बार राष्ट्रपति बन गए। उसके बाद उन्हें ऐसा लगा कि अमेरिका सारी दुनिया में नेतृत्व करता है। ऐसी स्थिति में वह जो चाहे कर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के कानून का उल्लंघन करते हुए यह हमला किया है। उन्होंने अमेरिकी संसद (कांग्रेस) से इसकी अनुमति नहीं ली। अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 2 (4) का उल्लंघन किया। विश्व युद्ध के बाद जो अंतर्राष्ट्रीय कानून बने उनका भी इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका ने मिलकर उल्लंघन किया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूएन के अनुच्छेद 52 का उल्लंघन किया गया है। युद्ध में नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता है। युद्ध के दौरान अस्पताल और चिकित्साकर्मियों के ऊपर किसी तरह का हमला नहीं हो सकता है। इसके बाद भी अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जिस तरह की तबाही फिलिस्तीन, गाजा पट्टी, लेबनान और ईरान में मचाई है उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह भ्रम हो गया था कि वह दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर सकते हैं। वह जो चाहेंगे वही करेंगे। दुनिया के सभी देशों से पहले उन्होंने टैरिफ को लेकर अपनी ताकत का एहसास कराया। उसके बाद वह शांतिदूत बनकर सारी दुनिया के मसीहा बनना चाहते थे। जब वह सफल नहीं हुए तो उन्होंने गैंगस्टर की तरह काम करते हुए,,, राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को रातों-रात सरकारी आवास से उठाकर अमेरिका में कैद कर दिया। वहां के तेल भंडारों पर कब्जा करते हुए अपने लोगों को बिठा दिया। इस सफलता के बाद उन्हें ऐसा लगने लगा था कि वह ईरान के साथ भी यही सब कर सकते हैं। पहले वहां पर खामेनेई के खिलाफ बगावत करवाकर सत्ता पलटने का प्रयास किया, जब यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो उन्होंने ईरान के ऊपर हमला कर दिया। उनको लग रहा था कि एक सप्ताह के अंदर वह ईरान को जीत लेंगे। ईरान पर उनका कब्जा हो जाएगा। लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। ईरान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। ट्रंप ने अपनी कुर्सी को बचाए रखने के लिए सीजफायर का दांव चला। इसमें उन्होंने चीन, पाकिस्तान और खाड़ी देशों की सहायता लेकर इस लड़ाई से बाहर निकलना चाह रहे थे, लेकिन नेतन्याहू इस लड़ाई से उन्हें बाहर नहीं निकलने देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपनी असहमती दर्ज करा कर लेबनान के ऊपर हमला कर दिया। अब यह हमने फिर शुरू हो गए हैं, जिसके कारण एक बार फिर युद्ध के काले बादल मंडराने लगे हैं। सीज फायर के बाद आशा की जो किरण जागी थी, उसको लेकर एक बार पुनः आशंकाओं के बदले घिरने लगे हैं। धर्म युद्ध की इस लड़ाई में एक बात तो तय है कि ट्रंप और नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर चुका है। कभी भी इनकी सत्ता जा सकती है। अमेरिका में ट्रंप की पार्टी के सांसदों ने विद्रोह शुरू कर दिया है। अमेरिका की जनता सड़कों पर आ रही है। कुछ इसी तरह की स्थिति इजरायल में भी देखने को मिल रही है। कहा जाता है धर्म युद्ध में सत्य की विजय होती है इस बार सत्य ईरान के साथ है। बहुत छोटी सी अर्थव्यवस्था और छोटी आबादी होने के बाद भी उसने जिस तरह से इन दोनों महा राक्षसों का मुकाबला किया है, उसकी प्रशंसा अब सारी दुनिया में हो रही है। लोगों को लगने लगा है, इस धर्म युग में राक्षसी प्रवृत्तियों का जल्द ही अंत होगा।

महिला आरक्षण से कानून निर्माण में भागीदारी-लोकतंत्र का शुभ संदेश

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय क़ानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व क़ानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी । यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33त्न आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50त्न तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50त्न महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

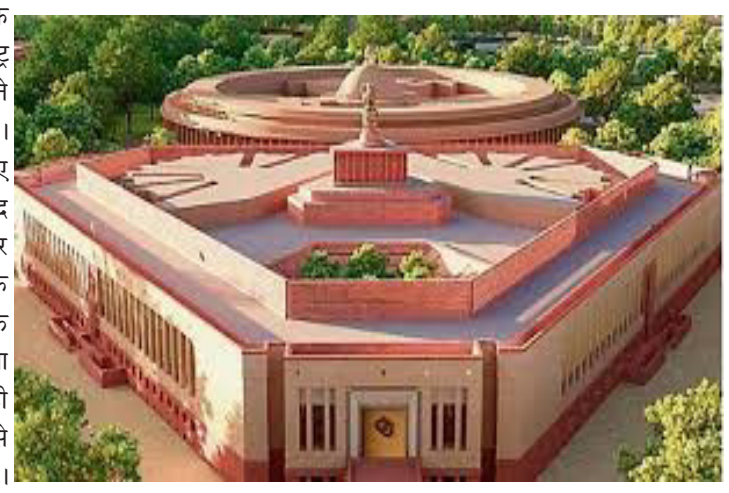

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है। यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33त्न महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में क़ानून निर्माता की श्रेणी में आ जाएगा। दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाज़ी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी ज़रूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की ज़रूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निर्माता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक सकारात्मक कदम

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम न सिर्फ इन दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए राहत भरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव लंबे समय से वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बना हुआ था।सबसे पहले, युद्धविराम से क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा मिलेगा। मध्य-पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है, और ऐसे में किसी बड़े युद्ध का टलना लाखों लोगों की जान बचा सकता है। साथ ही, यह इज़रायल जैसे देशों के लिए भी राहत की स्थिति पैदा करेगा, जो इस तनाव से सीधे प्रभावित होते हैं।दूसरा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। युद्ध के दौरान तेल की कीमतों में तेजी आती है, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों पर बोझ बढ़ता है। युद्धविराम से तेल बाजार में स्थिरता आएगी और महंगाई पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।तीसरा, यह कूटनीतिक प्रयासों की जीत भी मानी जाएगी। यदि बातचीत और समझदारी से विवाद सुलझते हैं, तो यह दुनिया के अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा कि संघर्ष का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि युद्धविराम स्थायी शांति की गारंटी नहीं होता। जब तक दोनों पक्ष अपने मतभेदों के मूल कारणों को दूर नहीं करते, तब तक तनाव दोबारा बढ़ सकता है। अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल तत्काल संकट को टालता है, बल्कि विश्व शांति और स्थिरता की दिशा में उम्मीद की किरण भी जगाता है। पश्चिम एशिया लंबे समय से संघर्ष, तनाव और अस्थिरता का केंद्र रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने न केवल क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाला, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला है। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की पहल निस्संदेह एक

सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है।सबसे पहले, यह युद्धविराम मानवता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध में सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। जान-माल की हानि, विस्थापन और भय का वातावरण—ये सब युद्ध के दुष्परिणाम हैं। युद्धविराम से कम-से-कम इस पीड़ा को कुछ हद तक कम करने का अवसर मिलता है।दूसरे, यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। मध्य पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देश संयम दिखाते हैं, तो इससे अन्य देशों को भी संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।आर्थिक दृष्टि से भी यह युद्धविराम राहत लेकर आता है। युद्ध की स्थिति में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव होता है, जिसका सीधा प्रभाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ता है। युद्धविराम से वैश्विक बाजारों में स्थिरता आने की उम्मीद बढ़ती है, जिससे आम जनता पर महंगाई का दबाव कम हो सकता है।हालांकि, यह समझना भी आवश्यक है कि युद्धविराम केवल पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। स्थायी शांति के लिए दोनों देशों को आपसी विश्वास बहाली, संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करना होगा। अतीत में कई बार समझौते हुए, लेकिन अविश्वास और राजनीतिक हितों के कारण वे टिक नहीं सके। इसलिए इस बार दोनों पक्षों को गंभीरता और प्रतिबद्धता दिखानी होगी। अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक आशा की किरण है। यह दर्शाता है कि संवाद और समझदारी के जरिए बड़े से बड़े विवाद को भी सुलझाया जा सकता है। अब जरूरत इस बात की है कि इस अवसर को स्थायी शांति में बदला जाए, ताकि पूरी दुनिया एक अधिक सुरक्षित और स्थिर भविष्य की ओर बढ़ सके। पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की खबर वैश्विक स्तर पर राहत का संदेश लेकर आई है। विशेष रूप से हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य का खुलना अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस मार्ग के बाधित होने से तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति संकट और आर्थिक अस्थिरता जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे में इसके पुनः खुलने से न केवल तेल बाजार में स्थिरता आएगी, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह राहत और भी महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया की भूमिका अहम है। हॉर्मुज़ के सुचारू संचालन से भारत को तेल की आपूर्ति में सहजता होगी और महंगाई पर भी नियंत्रण संभव हो सकेगा। इससे आम जनता को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलेगी।

हालांकि, यह युद्धविराम स्थायी शांति की गारंटी नहीं है। क्षेत्र में जटिल भू-राजनीतिक समीकरण, आपसी अविश्वास और बाहरी शक्तियों के हित अब भी तनाव को भड़का सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि दोनों देश संवाद और कूटनीति के रास्ते को प्राथमिकता दें। यह युद्धविराम एक अवसर है—न केवल तनाव कम करने का, बल्कि स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने का।

तमिलनाडु का हिरासती डेथ केस-सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण

-एडवोकेट किशन सनमुखदास

- 6 अप्रैल 2026 मदुरै कोर्ट से 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा-न्याय, व्यवस्था और मानवीय गरिमा पर एक ऐतिहासिक निर्णय का अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

महामारी,लॉकडाउन और सत्ता का अंधेरा पक्ष- ज़ब अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए थे-न्याय की जीत सत्यमेव जयते

सातानकुलम केस- भारतीय पुलिस व्यवस्था में तत्काल सुधार, अधिक जवाबदेह बनानें, हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता,स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना व मानवाधिकारों पर जोर क़ी सख्त ज़रूरत

वैश्विक स्तरपर साल 2020 में जब पूरी दुनियाँ कोविड -19 महामारी के अभूतपूर्व संकट से जूझ रही थी, तब सरकारों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सख्त लॉकडाउन जैसे कदम उठाए।भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।सड़कों पर सन्नाटा,बंद बाजार,ठप उद्योग यह दृश्य देशभर में आम था। लेकिन इस सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के बीच एक दूसरा,कम दिखाई देने वाला संकट भी पनप रहा था,सत्ता के दुरुपयोग और मानवाधिकारों के उल्लंघन का। कई स्थानों पर पुलिस और प्रशासन को व्यापक अधिकार दिए गए, जिनका उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना था,परंतु कुछ मामलों में यही अधिकार अत्याचार का माध्यम बन गए। इसी पृष्ठभूमि में तमिलनाडु के सातानकुलम में घटित कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया, जिसने न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी न्याय और मानवाधिकारों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस कस्टोडियल डेथ मैटर में न्यायपालिका की भूमिका- लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ सिद्ध हुई, इस केस में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहीअदालत ने इस केस कोरेयरेस्ट ऑफ रेयर मानते हुए न केवल सख्त सजा दी, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि कानून के सामने सभी समान हैं, चाहे वे आम नागरिक हों या पुलिसकर्मी। यह निर्णय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ऐसे फैसले लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करते हैं और यह संदेश देते हैं कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। प्रिंट इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया में अक्सर हम कस्टोडियल डेथ के बारे में बहुत सुनते हैं,इसलिए अब पुलिस सुधार की आवश्यकता- प्रणालीगत बदलाव की मांग का समय अब आ गया है। सातानकुलम केस ने भारतीय पुलिस व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पुलिस को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए कई कदम उठाने की जरूरत है, जैसे कि हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता, स्वतंत्र जांच एजेंसियों की स्थापना, और पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में मानवाधिकारों पर जोर।इसके अलावा, पुलिस बल में कार्य के दबाव, संसाधनों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे मुद्दों को भी संबोधित करना आवश्यक है। जब तक इन संरचनात्मक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति की संभावना सटीक रूप से बनी रहेगी। साथियों बात अगर हम सातानकुलम की घटना- एक सामान्य उल्लंघन से असाधारण त्रासदी तक इसको समझने की करें तो19 जून 2020 को तमिलनाडु के सातानकुलम में एक सामान्य-सी दिखने वाली घटना ने भयावह रूप ले लिया। मोबाइल दुकान चलाने वाले पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) पर आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी दुकान खुली रखी। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और थाने ले जाया गया। सामान्यतः ऐसे मामलों में जुर्माना या चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है,लेकिन इस केस में पुलिस की कार्रवाई असामान्य रूप से कठोर और अमानवीय साबित हुई।परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों को पूरी रात थाने में बर्बरता पूर्वक पीटा गया। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे,खून बह रहा था और उन्हें लगातार प्रताड़ित किया गया।यह केवल कानून का पालन कराने की कार्रवाई नहीं थी,बल्कि सत्ता के दुरुपयोग का चरम उदाहरण बन गई।बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया,लेकिन उनकी हालत इतनी खराब थी कि कुछ ही दिनों में 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की मृत्यु हो गई। साथियों बात अगर हम पुलिस का प्रारंभिक बचाव और सच्चाई का उजागर होना इसको समझने की करें तो इस घटना के बाद पुलिस ने प्रारंभ में यह दावा किया कि दोनों की मौत स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हुई है। यह एक सामान्य रणनीति थी, जिसे अक्सर कस्टोडियल डेथ के मामलों में अपनाया जाता है।लेकिन इस बार परिस्थितियाँ अलग थीं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पुलिस के दावों की पोल खोल दी। रिपोर्ट के अनुसार, बेनिक्स के शरीर पर 13 और जयराज के शरीर पर 17 गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जो स्पष्ट रूप से अत्यधिक हिंसा और प्रताड़ना की पुष्टि करते थे।इसके अलावा, एक महिला कॉन्स्टेबल के बयान ने मामले को और गंभीर बना दिया। उसने खुलासा किया कि दोनों को रातभर बेरहमी से पीटा गया और उनके खून से सने कपड़ों से थाने की सफाई करवाई गई। यह केवल शारीरिक हिंसा नहीं थी, बल्कि मानवीय गरिमा का घोर अपमान था। इस खुलासे के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया और यह मामला राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में आ गया। साथियों बात अगर हम न्याय की लंबी यात्रा- छह वर्षों का संघर्ष इसको समझने की करें तो यह मामला केवल एक आपराधिक केस नहीं था, बल्कि न्याय के लिए लंबी और कठिन लड़ाई का प्रतीक बन गया। छह वर्षों तक चली सुनवाई के दौरान कई बाधाएँ आईं सबूतों का संरक्षण, गवाहों की सुरक्षा, और न्यायिक प्रक्रिया की जटिलताएँ। कुल 10 आरोपियों में से एक की कोविड के दौरान मृत्यु हो गई,जबकि बाकी 9 पुलिस कर्मियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहा।6 अप्रैल 2026 को मदुरै की फर्स्ट एडिशनल सेशंस कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी 9 पुलिस कर्मियों को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में रखा, जो भारतीय न्याय प्रणाली में सबसे गंभीर अपराधों के लिए आरक्षित है।

बोर्ड परीक्षा के डर से घर छोड़कर पहुंचा हरिद्वार दिल्ली पुलिस ने कई बच्चों को ढूंढ निकाला

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के घर छोड़ने की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। छोटी-छोटी बातों, परीक्षा के दबाव और घरेलू समस्याओं से परेशान होकर बच्चे घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने अलग-अलग मामलों में चार नाबालिगों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिजनों को सौंपा है। हाल ही में बवाना इलाके का 17 वर्षीय किशोर 12वीं की बोर्ड परीक्षा छूटने के डर से 18 मार्च को घर छोड़कर चला गया था। वह हरिद्वार पहुंच गया, जहां कुछ दिन बिताने के बाद दिल्ली लौटा, लेकिन घर जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। बाद में उसने बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्टरी में काम शुरू कर दिया। पुलिस की एएचटीयू टीम ने उसे ढूंढकर परिजनों को सौंप दिया। इसी तरह बुराड़ी की 17 वर्षीय किशोरी घरेलू विवाद के कारण घर छोड़कर देवघर चली गई थी। पुलिस ने उसे लेबर चौक के पास से बरामद किया। वहीं एक अन्य किशोरी माता-पिता के तलाक से परेशान होकर घर छोड़कर सुल्तानपुरी में रिश्तेदार के यहां रहने लगी थी, जिसे भी पुलिस ने खोज निकाला। वजीराबाद की 16 वर्षीय लड़की एक युवक के साथ संबंध के चलते घर से निकलकर वैष्णो देवी पहुंच गई थी, जहां दोनों ने शादी कर ली। पुलिस ने उन्हें करोल बाग मेट्रो स्टेशन के पास से ढूंढ निकाला।

राजधानी के जहरीले पहाड़ पर रोजगार की कीमत बनी बीमारी मजदूरों पर चौंकाने वाला शोध

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) दिल्ली के ओखला लैंडफिल पर काम कर रहे मजदूर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम में हैं। अध्ययन में सामने आया कि ज्यादातर मजदूर बीमारियों से जूझ रहे हैं, जबकि सुरक्षा, साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाएं बेहद खराब हैं। दिल्ली के दक्षिणी हिस्से में स्थित ओखला लैंडफिल साइट पर काम करने वाले मजदूरों की हालत बेहद चिंताजनक है। यूनिवर्सिटी ऑफ लद्दाख की शोधकर्ता सोनम एंगमो और इग्नू की प्रोफेसर शाची शाह के विस्तृत अध्ययन में यह बात साफ हुई है। पर्यावरण संरक्षण जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में खुलासा हुआ है कि यहां 55 से 60 लाख टन पुराना कचरा (लेगेसी वेस्ट) अभी पड़ा है।

पूर्वी दिल्ली में लूट के कई वारदातों का गैंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) पूर्वी दिल्ली में स्पेशल स्टाफ ने एक बड़े लूट गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इसमें तीन नाबालिगों सहित चार बदमाश पकड़े गए हैं। इन बदमाशों ने कई लूट की वारदातों को अंजाम दिया था, जिसमें एक युवक पर चाकू से हमला भी शामिल है। एकसाथ लूट की कई वारदात को अंजाम देने वाले तीन नाबालिग समेत चार बदमाशों को पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने पकड़ा है। बालिग बदमाश की पहचान अजहर के रूप में हुई है। दो नाबालिग बदमाशो ने लूट का विरोध करने पर एक युवक पर चाकू से कई वार किए थे। बदमाशों के पास से लूटे गए आठ मोबाइल, चाकू और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि तीन अप्रैल को मधु विहार थाना क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली कि दो बदमाशों ने स्कूटी पर सवार होकर एक युवक पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ और थाना पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने वारदात स्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सर्विलांस के जरिए बदमाशों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि दो नाबालिग बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जबकि एक अन्य नाबालिग और 27 वर्षीय बदमाश अजहर के साथ लूटे गए सामान को ठिकाने लगाने का काम किया था।

युवती बनकर ठगी करने वाले 2 अफ्रीकी गिरफ्तार

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) पूर्वी दिल्ली पुलिस ने दो अफ्रीकी नागरिकों, बेमाह और सोलोमन को ऑनलाइन ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया है। ये सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर भारतीय युवाओं को प्रेम जाल में फंसाते थे और फिर एयरपोर्ट या इमिग्रेशन की झूठी कहानी बताकर पैसे ठगते थे। दो अफ्रीकी नागरिक घूमने के लिए भारत आए। दक्षिणी दिल्ली में किराये पर घर लेकर ठगी का धंधा करने लगे। सोशल मीडिया पर खुद को महिला बताकर युवकों को अपने प्रेम के जाल में फंसाकर उनसे रकम ठगने लगे। पूर्वी जिला पुलिस ने ठगी के मामले में दो अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान बेमाह व सोलोमन के रूप में हुई है। इनके पास से ठगी में इस्तेमाल छह मोबाइल व दो पासपोर्ट बरामद किए हैं। 12 लोगों से यह 50 लाख रुपये की ठगी कर चुके हैं। वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी यह दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार रावल ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों से संदिग्ध म्यूल बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई। जांच के दौरान कई बैंक खातों को साइबर ठगी से जुड़ा पाया गया। इसके बाद केस दर्ज किया गया। वहीं, टेक्निकल सर्विलांस और स्थानीय सूचना के आधार पर दक्षिणी दिल्ली से दो विदेशी ठगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से जब्त मोबाइल की जांच में पीड़ितों के साथ की गई चैट, एयरपोर्ट से जुड़ी तस्वीरें और ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की जानकारी मिली है।

दिल्ली के सैनिक फार्म में जमकर गरजा डीडीए का बुलडोजर

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) दक्षिणी दिल्ली के सैनिक फार्म में डीडीए ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ फिर से बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। लोगों के विरोध को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। डीडीए की जमीन पर बने अवैध ढांचों को गिराने के लिए रात में तीन बुलडोजर पहुंचे थे। दक्षिणी दिल्ली स्थित सैनिक फार्म में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ डीडीए ने एक बार फिर बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। वहीं, लोगों के विरोध को देखते हुए आस-पास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात की गई है। डीडीए की जमीन पर बने अवैध ढांचों को गिराने के लिए रात में ही तीन बुलडोजर पहुंचे थे। इसके बाद गुरुवार सुबह पुलिस बल के पहुंचते ही टीम ने डब्ल्यू 22/27 पर अतिक्रमण हटाने का काम शुरू कर दिया। इससे पहले दिसंबर में डीडीए ने सात से अधिक बुलडोजरों का इस्तेमाल कर 20-25 साल पुरानी और डीडीए की जमीन पर बनी कथित अवैध आलीशान कोठियों को जमींदोज किया था।

सगाई से लौटे युवक की संदिग्ध मौत- परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

सूरजपुर 10 अप्रैल (निस) जिले के करतमा गांव में सगाई समारोह में शामिल होने गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक रात में गंभीर हालत में मिला था, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां आज सुबह डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने युवक के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम करतमा निवासी समर साय यादव (40) अपने परिवार के साथ बरपारा में आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने गया था। रात को भोजन के बाद परिवार के अन्य सदस्य घर लौट आए, जबकि समर साय ने कुछ देर में आने की बात कही थी। रात करीब 12 बजे गांव के ही दो युवक—जनेउ धारी बरगाह और महादेव बरगाह—उसे बाइक पर घर लेकर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को बताया कि समर साय उनके घर के बाहर बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। सुबह तक होश नहीं आने पर परिजनों ने उसे अंबिकापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत गंभीर होने पर रायपुर रेफर किया गया। परिजन उसे लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में बिलासपुर के पास उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद उसे वापस अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के छोटे भाई अमर साय ने आरोप लगाया है कि समर साय के सिर में गंभीर चोटें थीं और उसके साथ मारपीट की गई है। उन्होंने कहा कि उसे घर छोड़ने आए दोनों युवकों को घटना की जानकारी है, लेकिन वे कुछ नहीं बता रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और उनके बयान दर्ज कर लिए हैं। मामले की केस डायरी जयनगर थाने भेजी जा रही है, जहां आगे की जांच की जाएगी।

सात दिन में सुधार नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

जिले के प्रतापपुर स्थित शासकीय कालीदास महाविद्यालय की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर ह्स्ढ्ढ के पदाधिकारियों और छात्र-छात्राओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) प्रतापपुर को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की है। छात्र नेताओं ने बताया कि विकासखंड प्रतापपुर का यह एकमात्र शासकीय महाविद्यालय लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में संचालित हो रहा है। कॉलेज भवन जर्जर हो चुका है और कई हिस्से क्षतिग्रस्त हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाई के दौरान असुविधा के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। इसके अलावा महाविद्यालय की बाउंड्रीवॉल कई जगहों से टूटी हुई है, जिसके कारण असामाजिक तत्वों का परिसर में आना-जाना लगा रहता है। इससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित हो रहा है और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा भी खतरे में है। छात्रों ने शौचालयों की खराब स्थिति और साफ-सफाई के अभाव का मुद्दा भी उठाया है। साथ ही गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या को लेकर भी नाराजगी जताई गई।

उर्वरक दुकानों पर सख्ती- 9 केंद्रों की बिक्री पर रोक, कई को नोटिस

धमतरी 10 अप्रैल (निस) जिले में किसानों को उचित दर पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कृषि विभाग की टीम द्वारा जिलेभर में उर्वरक विक्रय केंद्रों का सघन और औचक निरीक्षण किया जा रहा है। उप संचालक कृषि और उर्वरक निरीक्षकों की संयुक्त टीम ने निजी उर्वरक दुकानों में छापेमारी कर भौतिक सत्यापन किया। जांच के दौरान पॉश मशीन में दर्ज स्टॉक और वास्तविक उपलब्ध उर्वरक में अंतर पाया गया। साथ ही स्टॉक रजिस्टर का सही संधारण नहीं होने सहित कई अनियमितताएं सामने आईं। कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने मेसर्स राजेश ट्रेडर्स धमतरी, कृषक साथी धमतरी, राज इंटरप्राइजेस अर्जुनी, श्री श्याम ट्रेडर्स श्यामतराई, महेन्द्र ट्रेडर्स नगरी, जय किसान ट्रेडर्स नगरी, किसान संगवारी बोरसी मगरलोड, साक्षी कृषि केंद्र परसवानी और मानिक ट्रेडर्स मगरलोड सहित कुल 9 उर्वरक विक्रय केंद्रों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। इसके अलावा मगरलोड, कुरूद और धमतरी विकासखंड के अन्य केंद्रों—मेसर्स छत्तीसगढ़ खाद भंडार सांकरा, प्रेम कृषि केंद्र मगरलोड, किसान ट्रेडर्स कुरूद, देवांगन कृषि केंद्र कोकड़ी, कुणाल कृषि केंद्र कोलियारी और देवांगन ट्रेडर्स रत्नाबांधा—को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इन विक्रेताओं को निर्धारित समय-सीमा में जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी या अधिक कीमत पर बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर लाइसेंस निलंबन या निरस्तीकरण सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां उर्वरक संबंधी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। साथ ही मैदानी स्तर पर निरीक्षक दलों की तैनाती कर लगातार निगरानी की जा रही है।

ई-रिक्शा से ऑफिस पहुंच रहीं कौशल्या देवांगन, सियासत तेज-नगर निगम में महिला सभापति कौशल्या देवांगन के सरकारी वाहन हटाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बीते एक सप्ताह से सभापति ई-रिक्शा से निगम कार्यालय आ-जा रही हैं, जिससे राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सभापति कौशल्या देवांगन ने बताया कि सामान्य सभा की बैठक के अगले ही दिन उनसे वाहन वापस ले लिया गया। इसके बाद से उन्हें किराए के ई-रिक्शा का सहारा लेना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जब कारण पूछा गया तो पहले तकनीकी खराबी बताई गई, जबकि वाहन पहले पूरी तरह ठीक था। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष दीपक सोनकर ने इसे महिला सभापति का अपमान बताते हुए ट्रिपल इंजन फेल करार दिया। उन्होंने कहा कि एक ओर नारी सशक्तिकरण की बात होती है, वहीं दूसरी ओर सभापति को ऑटो से आने-जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

19 अप्रैल को विशेष योग में मनाई जाएगी भगवान परशुराम जयंती

बिलासपुर 10 अप्रैल (निस) वैशाख शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया तिथि पर 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में भगवान परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है, जिन्होंने अधर्म और अन्याय के विनाश के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम बल, पराक्रम, तप, शौर्य और धर्म रक्षा के प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे में परशुराम जयंती के अवसर पर विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों में विशेष पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण जैसे आयोजन किए जाएंगे। अक्षय तृतीया और पर्व का महत्व-पंडितों के अनुसार, भगवान परशुराम जयंती हर वर्ष वैशाख शुक्ल तृतीया को मनाई जाती है, जिसे अक्षय तृतीया के नाम से भी जाना जाता है। यह तिथि हिंदू पंचांग में अत्यंत शुभमानी जाती है। इस दिन किए गए दान, जप, तप, स्नान और पूजा का फल अक्षय अर्थात कभी समाप्त न होने वाला माना जाता है। जयंती का पर्व भक्तों के लिए और इसी कारण इस बार परशुराम भी विशेष बन गया है। धर्म रक्षा और शौर्य के प्रतीक हैं भगवान परशुराम-धार्मिक ग्रंथों में भगवान परशुराम को ऋषि परंपरा और क्षत्रिय तेज का अद्भुत संगम बताया गया है। वे महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र थे। मान्यता है कि उन्होंने अन्याय, अत्याचार और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष कर धर्म की स्थापना का संदेश दिया। उनका जीवन समाज को यह प्रेरणा देता है कि सत्य, संयम और धर्म की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। युवाओं को भी मिलेगा प्रेरणा का संदेश-धर्माचार्यों का कहना है कि भगवान परशुराम का जीवन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम, त्याग और न्यायप्रियता की प्रेरणा भी देता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और धार्मिक मूल्यों से जोडऩे का अवसर मिलता है।

सोलापुरी माता महोत्सव का समापन- महाकुंभम भोग, शोभायात्रा और भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

न्यू लोको कॉलोनी स्थित फुटबॉल मैदान में श्री श्री श्री सोलापुरी माता उत्सव समिति द्वारा आयोजित सोलापुरी माता महोत्सव का रविवार को भव्य समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार देवी के विभिन्न स्वरूपों की स्थापना कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। शनिवार को भक्तों ने देवी के मां कालरात्रि स्वरूप के दर्शन किए। समिति के महासचिव एम. श्रीनू राव ने बताया कि अंतिम दिन देवी को महाकुंभम के रूप में विशेष महाभोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि माता अतिथि स्वरूप आती हैं, इसलिए उन्हें भरपूर भोग अर्पित कर संतुष्ट किया जाता है। यजमान आर. मनोज कुमार एवं आर. प्रेमा के सौजन्य से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाएं परातों में विविध व्यंजन लेकर गाजे-बाजे और आतिशबाजी के साथ पूजा पंडाल पहुंचीं।देवी को अर्पित करने के लिए 21 प्रकार के दक्षिण भारतीय व्यंजन—इडली, डोसा, बड़ा, पुलियाराम, चना, गुलगुला सहित कई पकवान तैयार किए गए। पुजारी टी. भास्कर राव ने विधिवत पूजा कर लगभग दो क्विंटल चावल एवं व्यंजनों से सुसज्जित महाभोग देवी को समर्पित किया। इसके पश्चात आयोजित विशाल भंडारे में करीब 2000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई, जो विभिन्न मोहल्लों से होते हुए त्रिपुर सुंदरी मरीमाई मंदिर पहुंची, जहां देवी का प्रतीकात्मक विसर्जन किया गया। रास्ते में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया।महोत्सव के दौरान आयोजित लकी ड्रॉ में बच्चों और महिलाओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन की सफलता में समिति के अध्यक्ष पी. देवराजू, महासचिव एम. श्रीनू राव सहित सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

व्यक्तित्व विकास से पर्यावरण चेतना तक: एनएसएस प्रशिक्षण के छठे दिन मिला प्रेरणा का नया आयाम

बिलासपुर 10 अप्रैल (निस) अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय ईटीआई प्रशिक्षण के छठे दिन प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. नेहा जैन ने पूर्व दिवस की गतिविधियों का फीडबैक प्रस्तुत किया।

प्रथम सत्र- व्यक्तित्व विकास और नेतृत्व क्षमता-प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संजय तिवारी (ओएसडी, उच्च शिक्षा मंत्री प्रतिनिधि) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में व्यक्तित्व विकास और प्रभावी संवाद कौशल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ह्स्स् केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। इसके जरिए युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विद्यार्थियों के लिए नियमित ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित करें तथा शिविरों के दौरान सुरक्षा, अनुशासन और बेहतर प्रबंधन को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि प्रशिक्षण सहायक डॉ. रीना ताम्रकार एवं यूपेश कुमार ने अतिथियों का परिचय कराया।

द्वितीय सत्र- पर्यावरण और सामाजिक उत्तरदायित्व-द्वितीय सत्र में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के डॉ. पी. एल. चंद्राकर ने 'ईशावास्यमिदं सर्वम' के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का गूढ़ संदेश दिया। उन्होंने मनुष्य और प्रकृति के संबंधों को पाँच प्रमुख अवधारणाओं—दासता से लेकर सहजीवन तक—के माध्यम से समझाया। डॉ. चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ की उपजाऊ मिट्टी, महानदी की वर्तमान स्थिति तथा पर्यावरणीय नियमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्वयंसेवकों को जागरूक, संवेदनशील और चरित्रवान नागरिक बनने का आह्वान किया।

तृतीय सत्र और शैक्षणिक भ्रमण--तृतीय सत्र में नायब तहसीलदार सहोरिक यादव ने स्वच्छता और गुड गवर्नेंस पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने रोचक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों में उत्साह का संचार किया।

नरेला में एमसीडी सफाईकर्मी की निर्मम हत्या बाइक से पेट्रोल चोरी रोकने पर बाप-बेटों ने मार डाला

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) नरेला में बाइक से पेट्रोल चोरी का विरोध करने पर एक एमसीडी कर्मचारी राजेंद्र (50) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पड़ोसी कृष्ण और उसके दो बेटों ने इस वारदात को अंजाम दिया। 30 मार्च को हुई मारपीट के बाद 8 अप्रैल को राजेंद्र ने दम तोड़ दिया। नरेला थाना क्षेत्र में बाइक से पेट्रोल चोरी करने का विरोध करने पर बाप व दो बेटों ने संविदा पर काम करने वाले एक एमसीडी कर्मचारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। नरेला थाना पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपितों का पता लगा रही है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय राजेंद्र के रूप में हुई है। पीड़ित परिवार ने जल्द से जल्द आरोपितों की गिरफ्तारी और सख्त सजा की मांग की है। जानकारी के मुताबिक राजेंद्र अपनी पत्नी कमलेश, तीन बेटे और एक बेटी के साथ नरेला स्थित बांकनेर गांव में रहते थे। नरेला एमसीडी जोन में 26 वर्ष से संविदा पर सफाईकर्मी थे। मृतक के राजेंद्र के बेटे रोहित ने बताया कि 30 मार्च को पड़ोस में जागरण था। जहां कई लोग बाइक से आए थे। उन्होंने बाइक उनके घर सामने खड़ी कर दी थी। तभी घर के सामने ही रहने कृष्ण और उनके दो बेटे हनी और गोलू आए और बाइक से तेल चोरी करने लगे। उन्होंने तेल चोरी करने से उन्हें मना किया। तभी वे सभी बाइक में आग लगाने की बात करने लगे। रोहित का आरोप है कि विरोध करने पर वे सभी हमारे घर में घुस गए। डंडो से पिता, माता, भाई और उनके बहन पर हमला कर दिया। इस दौरान वे सभी पिता को घर से बाहर लाकर डंडों से पिटाई करने लगे। अधमरा होने के बाद सभी फरार हो गए।

जीएसटी विभाग में बड़े अधिकारियों की अनुपस्थिति, सीएम रेखा गुप्ता ने किया औचक निरीक्षण

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली बिक्री एवं कर विभाग (स्टेट जीएसटी) का औचक निरीक्षण किया, जहाँ कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। दिल्ली की सत्ता संभालते समय करीब एक साल पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों का वर्क कल्चर बदलने की जो बात कही थी, दिल्ली बिक्री एवं कर विभाग (स्टेट जीएसटी) के अधिकारियों ने उसे हवा में उड़ा दिया है। सीएम ने बुधवार को जब इस विभाग के मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया तो वहां कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं थे। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही निर्देश जारी किए कि जो भी स्टाफ अनुपस्थित है, उन्हें तुरंत कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति का अपडेट मांगा और बायोमेट्रिक आधार पर पिछले एक महीने का रिकार्ड तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने संकेत दिए हैं कि कई अन्य विभागों के भी इसी तरह औचक निरीक्षण जारी रहेंगे और लापरवाह अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन केवल निचले कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि आयुक्त और विशेष आयुक्त स्तर तक हर अधिकारी पर समान रूप से लागू है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को बायोमेट्रिक सिस्टम का गंभीरता से पालन करने के लिए कहा है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान करदाताओं और आम नागरिकों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया। जिसमें जनता ने विभाग में फैले भ्रष्टाचार और काम रोकने की प्रथा के बारे में उन्हें जानकारी दी है। लोगों ने बताया कि न ही अधिकारी और न ही निरीक्षक मिलते हैं, बगैर पैसे यहां काम नहीं होता है।

राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे। हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

शांति को देनी होगी प्राथमिकता इसके बिना नहीं मिलेगी सुरक्षा

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) जामिया मिल्लिया इस्लामिया में पश्चिम एशिया संघर्ष पर संवाद हुआ। यूएनएओसी के अंडर सेक्रेटरी जनरल मिगुएल एंजेल मोरेटिनोस ने शांति को प्राथमिकता देने पर जोर दिया, कहा कि इसके बिना सुरक्षा असंभव है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में बुधवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत में अपने आधिकारिक दौरे के दौरान यूनाइटेड नेशंस अलायंस आफ सिविलाइजेशंस के अंडर सेक्रेटरी जनरल मिगुएल एंजेल मोरेटिनोस ने मौजूदा संघर्ष को लेकर कहा कि हमें शांति को प्राथमिकता देनी होगी। शांति के बिना हमें कभी सुरक्षा नहीं मिलेगी। पिछले चार दशक में सरकारों ने सुरक्षा को सबसे पहले रखा है और वे विफल रहे हैं। हर बार जब हम सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं, हम विफल होते हैं। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि हम इंसानियत के सामने मौजूद मुख्य समस्याओं जैसे गरीबी, भुखमरी, शिक्षा और सस्टेनेबल हेल्थ को हल करने पर ध्यान देने के बजाय युद्धों पर खरबों डालर खर्च कर रहे हैं। अलग संस्कृति, अलग देश और अलग सभ्यता के बावजूद हम सब मिलकर इंसानियत बनाते हैं।

बाजार में बिक रहे केमिकल और कार्बाइड से पकाया गया केला

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) बाजार में केमिकल से पकाए गए आम, केले और पपीते की भरमार है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। कैल्शियम कार्बाइड जैसे रसायनों से फल समय से पहले पकाए जाते हैं, जिससे लिवर और किडनी को नुकसान हो सकता है। गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। मौसम करवटें ले रहा है। बारिश हो रही है। तेज हवा के चलते आम के बौर झड़ रहे हैं। आम के बगीचों के मालिक नुकसान की बात कह रहे हैं। मगर बाजार में पके आम की खेप आने लगी है। ऐसे में आम खाने के शौकीनों को सतर्क रहना होगा। कारण, यह मौसम का नहीं केमिकल का कमाल है।

यूपीएससी में कामयाबी के लिए सख्त मेहनत की जरुरत

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) यानी की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पाने के लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। परीक्षा में अच्छा स्कोर पाने के लिए स्टूडेंट्स को खूब किताबें भी पढ़नी पड़ती हैं। इसके लिए छात्र एनसीईआरटी की किताबें भी पढ़ते हैं। माना जाता है कि एनसीईआरटी की किताबों से इन परीक्षाओं का आधार तैयार होता है। जिससे उम्मीदवारों को सभी विषय के बेसिक को समझने में आसानी होती है। हालांकि यूपीएससी की परीक्षा के लिए छात्रों को अलग-अलग तरह की किताबें पढ़नी पड़ती हैं। ऐसे में इतनी सारी किताबें ले पाना हर उम्मीदवार के बस की बात नहीं है। इसलिए अगर आप भी यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए एनसीईआरटी की किताबों को पढ़े। इसके लिए आप इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर क्लास 6 से लेकर 12 तक की किताबें मुफ्त में पीडीएफ के जरिए पढ़ सकते हैं।

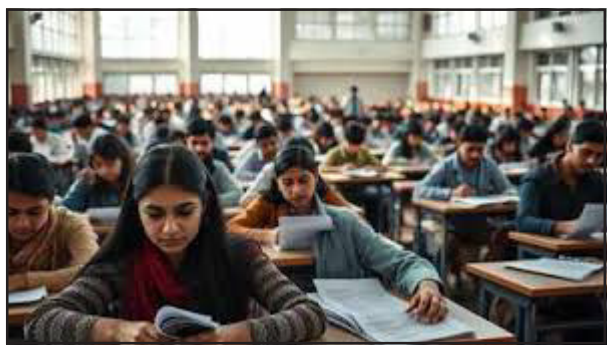

ई-पाठशाला एक सरकारी प्लेटफॉर्म है। जहां पर आप यूपीएससी की तैयारी के लिए फ्री में अपनी किताबें प्राप्त कर सकते हैं। यहां पर एनसीआरटी की किताबें भी आपको फ्री में मिलेंगी। आप इन किताबों को ऑनलाइन पढ़ने के साथ डाउनलोड भी कर सकते हैं। ई-पाठशाला प्लेटफॉर्म पर आपको ऑडियो-विजुअल कंटेंट भी मिल जाएगा।

सरकारी लाइब्रेरी

यूपीएससी की तैयारी के लिए आप सरकारी लाइब्रेरी का भी लाभ उठा सकते हैं। आप अपने शहर की सरकारी लाइब्रेरी की मेंबरशिप ले लें। यहां सभी प्रकार की किताबें मिल जाएंगी।

सोशल मीडिया की लें मदद

अगर आप भी क्क्रस्ष्ट की तैयारी कर रहे हैं, तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे कई ऑनलाइन ग्रुप्स बने हैं, जहां पर यूपीएससी के छात्र एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं और स्टडी मटेरियल एक-दूसरे से शेयर करते हैं। ऐसे में आप आराम से प्रैक्टिस क्वेश्चन, वैल्युएबल नोट्स और करंट अफेयर्स मटेरियल प्राप्त कर सकते हैं।

राज्य सरकारें और कई संगठन आर्थिक रूप से कमजोर स्टूडेंट्स को फ्री कोचिंग की सुविधा प्रदान करते हैं।

साक्षात्कार का इस प्रकार सामना करें

किसी भी नौकरी में साक्षात्कार सबसे अहम होता है। उससे नियोक्ता आपके बारे में अनुमान लगा लेता है। इसलिए जब भी हम किसी साक्षात्कार के लिए जाते तो सबसे पहले यही सवाल किया जाता है कि आप अपने बारे में कुछ बताएं। हालांकि इस सवाल के जवाब में आपको एक तरह से अपने रिज्यूमे को समझना होता है। भले ही यह सवाल आसान लगता है, लेकिन सिर्फ इस सवाल के जवाब से ही

आप अपनी नौकरी पक्की कर सकते हैं। आप इस सवाल के जवाब में एक स्पष्ट और संक्षिप्त कहानी पर ध्यान केंद्रित करें। जिससे कि आपकी योग्यता प्रबंधकों के सामने साबित हो सके। वहीं नियोक्ता का ध्यान बनाए रखने के लिए आपको 2 मिनट के कम समय में उत्तर बताना जरूरी है।

अनुभव करें हाइलाइट-अगर आपका साक्षात्कार है तो आप काम का अनुभव बताने की बजाय नई भूमिका के अनुरूप अपने जवाब तैयार करें। आप जिस पद के लिए साक्षात्कार दे रहे हैं, उस पद से संबंधित अपनी पिछली उपलब्धियों, क्षमताओं और कौशल के बारे में बात करें। आप मेल खाती नौकरी के बारे में बताकर प्रबंधकों का ध्यान अपनी तरफ कर सकते हैं। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके पास इस पद के लिए प्रासंगिक कार्य अनुभव है।

बदलाव की वजह स्पष्ट करें

अगर आप भी बार-बार नौकरी बदलते रहते हैं। तो ऐसा करने के पीछे के कारणों को पूरे आत्मविश्वास के साथ स्पष्ट करें। वहीं अगर आपको पिछली नौकरी से इसलिए निकाला गया, क्योंकि आप अपना प्रदर्शन नहीं कर पाए थे, तो इसको भी सकारात्मक पक्ष के तौर पर पेश करें।

अपनी क्षमताएं बताएं--आप साक्षात्कार में उन कारणों को भी बताना चाहिए, जिन विशेषताओं के आधार पर आपको पिछली नौकरी मिली थी। ऐसा करने से प्रबंधक को आपके पेशेवर प्रतिष्ठा के बारे में जानकारी होगी। वहीं अगर आप अपने कॅरियर में बदलाव किया है, तो उनके बारे में भी बताएं कि यह किस तरह से आपके लिए रणनीतिक कदम साबित हुआ है।अपना अनुभव व रुख साझा करें--अगर आप किसी अच्छी संस्था में काम करना चाहते हैं, तो खुद को अन्य उम्मीदवार की तुलना में बेहतर तरीके से पेश करें। आप प्रबंधन के सामने अपने अनुभव, कौशल और दृष्टिकोणों को साझा करें।

वहीं आपके द्वारा अपनाई जाने वाली नई भूमिका में भी योगदान दे सकते हैं। आप अपने मूल्यों और रचनात्मकता के बारे में भी दिखा सकते हैं।

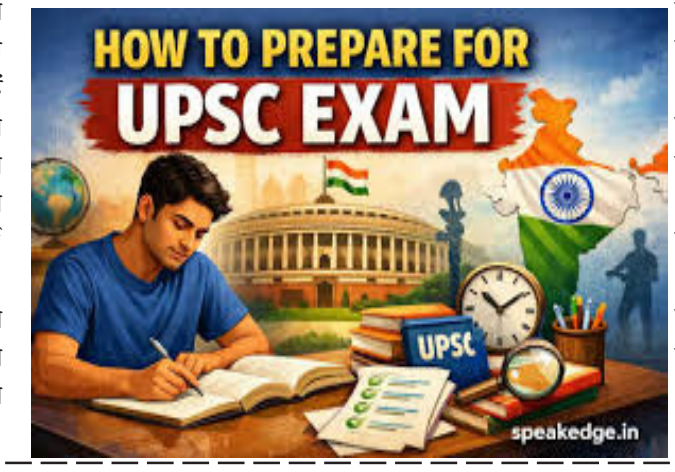

ट्रैवल जॉब्स के जरिए घूमने के साथ ही करें मोटी कमाई

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं तो आजकल देश में कई ऐसे जॉब विकल्प हैं, जहां आप घूमते-घूमते अच्छी कमाई कर सकते हैं। इनमें से ज्यादातर ट्रैवल जॉब्स में रहने, खाने, आने-जाने की सुविधा

भी फ्री मिलती है। सबसे बढ़िया बात है कि ऐसी नौकरी के लिए अलग से छुट्टी लेने की भी कोई जरूरत नहीं।

ट्रैवल जॉब्स की खासियत है कि इन्हें फुल टाइम या पार्ट टाइम, अपनी सुविधा के हिसाब से कैसे भी कर सकते हैं। घूमने के साथ ही लिखने के भी शौकीन हैं तो ब्लॉग लिख सकते हैं या किसी ट्रैवल मैगजीन के साथ जुड़कर अपने सपने पूरे कर सकते हैं। वहीं कैमरा इको फ्रेंड्ली हैं तो वीडियो बनाकर दर्शकों को अपने साथ किसी अच्छी जगह पर घुमा सकते हैं। कई ऐसी ट्रैवल जॉब्स हैं, जिनमें लाखों की कमाई आसानी से की जा सकती है।

टूर गाइड - ये टूरिस्ट स्पॉट्स पर उस जगह की खासियत और इतिहास बताते हुए नजर आते हैं। अगर आप घूमना पसंद करते हैं, इतिहास में दिलचस्पी है और संवाद शैली भी अच्छी है तो टूर गाइड बन सकते हैं। कई ट्रैवल एजेंसी टूर गाइड की वैकेंसी निकालती हैं। ट्रैवल एजेंसी यात्रियों के साथ अपना गाइड भेजती हैं। ट्रैवल गाइड के खाने और रहने का खर्च ट्रैवल एजेंसी की तरफ से दिया जाता है। कई यात्री इन्हें टिप भी देते हैं.

इवेंट कोऑर्डिनेटर पिछले कुछ सालों में इवेंट कोऑर्डिनेटर की डिमांड काफी बढ़ गई है। मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन, ऑर्गनाइजेशनल, स्ट्रैटेजी बनाने जैसी स्किल्स में महारत हासिल है तो यह आपके लिए अच्छी नौकरी है। इसमें भी अगर आप वेडिंग प्लानर बन जाते हैं तो डेस्टिनेशन वेडिंग करवाने के बहाने अलग-अलग जगहों पर घूम सकते हैं।

ट्रैवल व्लॉगर - दुनियाभर में बहुत लोगों ने ट्रैवल व्लॉगिंग को कमाई का जरिया बनाया हुआ है। ट्रैवल व्लॉगिंग ट्रेंडिंग करियर ऑप्शंस में शामिल है। अपनी हर यात्रा का वीडियो बनाकर यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि प्लेटफॉर्म्स पर शेयर करके आप ट्रैवल व्लॉगिंग की शुरुआत कर सकते हैं। आपके वीडियो पर जितने व्यूज आएंगे, उसी के हिसाब से आपको पेमेंट मिलेगी। यूट्यूब पर ट्रैवल व्लॉग पोस्ट करके लोग सालाना करोड़ों में कमाई कर रहे हैं। ईएसएल शिक्षक ( )- अगर आपकी पढ़ाने में रुचि है और ईएसएल शिक्षक बनने की योग्यता है तो यह जॉब आपके लिए बेस्ट है। आप विदेश में रह रहे भारतीयों को अपनी मूल भाषा सिखा सकते हैं। इसके लिए स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। भारत में भी ईएसएल शिक्षकों की डिमांड बढ़ रही है। भारत में ईएसएल शिक्षक हर महीने 20-42 हजार रुपये की कमाई कर सकते हैं।

अत्याधुनिक तकनीक के दौर में बढ़ रही ड्रोन इंजीनियरों की मांग

आजकल आत्याधुनिक तकनीक के दौर में ड्रोन का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है। जिससे इसकी मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में ड्रोन इंजीनियरों की भी मांग बढ़ रही है। ऐसे में इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं को 12वीं विज्ञान के साथ करनी होती है। इसके बाद एरोनॉटिकल,

इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स या मैकेट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की जा सकती है। इसके साथ ही ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एम्बेडेड सिस्टम और फ्लाइट कंट्रोल जैसे फील्ड की जानकारी जरुरी है।. प्रैक्टिकल अनुभव के लिए ड्रोन ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन भी अहम भूमिका निभाते हैं। बीटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग का कोर्स भी कर सकते हैं। इसमें ड्रोन के सेंसर, कैमरा, जीपीएस सहित कई अन्य उपकरणों के बारे में बताया जाता है.

ड्रोन से जुड़े इन क्षेत्रों में भी बना सकते हैं करियर

ड्रोन डेवलपर- ये ड्रोन के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन का काम करते हैं.

रिसर्च एंड डेवलपमेंट- ड्रोन टेक्नोलॉजी में नए इनोवेशन के लिए डिफेंस, एग्रीकल्चर या डिलीवरी सेक्टर में काम कर सकते हैं.

इन जगहों पर मिलेगी जॉब

ये कोर्स करने के बाद युवाओं को डीआरडीओ, एग्रीकल्चर, लॉजिस्टिक्स, फिल्म इंडस्ट्री और सर्वे कंपनी, मीडिया और ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में नौकरी मिल सकती है.

12वीं के बाद एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया में बना रहे करियर

एनिमेशन एंड मल्टीमीडिया-- 12 वीं के बाद एनिमेशन और मल्टीमीडिया में कोर्स करके आप आप काम सीख सकते हैं। जिससे आप हजारों ही नहीं लाखों रुपये काम सकते हैं। अगर आप यह कोर्स कर लेते हैं और आप क्रिएटिव हैं तो बहुत पैसा कमा सकते हैं।

अगर आप कारोबार करना चाहते हैं पर आपके पास बजट कम है तो आप स्टार्ट.अप से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसमें निवेश भी कम करना होगा और आप अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। अगर आप इन बिजनेस में क्रिएटिव और मेहनत से काम करेंगे तो आप जल्द ही हर महीना लाखों रुपये कमा सकते हैं।

इवेंट मैनेजमैंट . आजकल इवेंट का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खास बात ये है कि इसमें आपको किसी खास डिग्री की आवश्यकता नहीं है और आप क्रिएटिव तरीके से काम करके इसमें पैसा कमा सकते हैं। इवेंट में आप वेडिंग ऑफिशियल प्रोग्राम पार्टी आदि की अरेजमेंट कर सकते हैं और इसमें आपको निवेश नहीं करना होता सिर्फइवेंट की व्यवस्था करनी होती है। आप अच्छे संपर्क बनाकर इसमें पैसे कमा सकते हैं।

ऑटो गैराज. आपको सुनकर भले ही ये अजीब लगे लेकिन कई लोग इससे अच्छा पैसा कमा रहे हैं। यह गैराज किसी एक दुकान पर नहीं होगा बल्कि यह डिमांड पर कहीं जाएगा। मतलब आजकल गाड़ियों की संख्या अधिक हो गई और बीच रास्ते में गाड़ी खराब हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसे लोगों की मदद कर पैसे कमा सकते हैं।

ड्राइविंग स्कूल . देश में कारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्राइविंग सीखने वालों की संख्या भी बड़ी है। ऐसे में ड्राइविंग स्कूल चलाना भी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इस काम को करने के लिए शुरुआती तौर पर आपके पास सिर्फ एक कार होना जरूरी है। जिससे आप दूसरों को ड्राइविंग सिखा सकें।

होम बेस्ड फूड सर्विस. घर से बाहर दूसरे शहरों में रह रहे लोगों के लिए घर का खाना एक सपने जैसा होता है। इसलिए आप इन शहरों में टिफिन आदि का कारोबार करके आप कम इनवेस्ट में अधिक पैसे कमा सकते हैं। इसकी पब्लिसिटी के लिए आप सोशल मीडिया या किसी ऐप का सहारा ले सकते हैं।

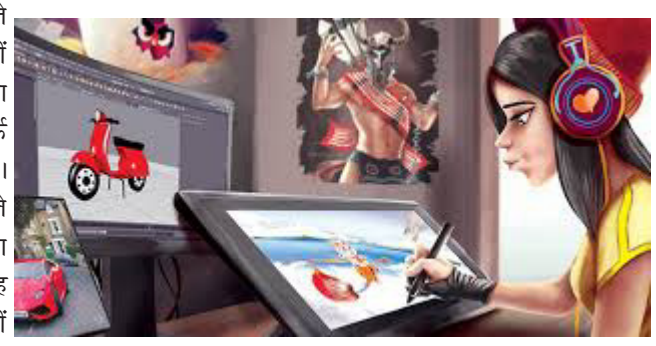

किलनिंग सर्विस. इस किलनिंग सर्विस में आप कपड़ों से लेकर घरएगाड़ी आदि तक का काम कर सकते हैं क्योंकि लोगों के पास काम की व्यस्तता की वजह से यह सब काम करने का वक्त नहीं होता है। ऐसे में आप उनके लिए ऑनलाइन रुप से ये काम करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। विदेशों और मेट्रो सिटी में कई लोग इस तरह से कमाई कर रहे हैं। ट्रांसलेटर. यह एक फ्रीलांस काम की तरह है। इस काम को आप किसी बिजनेस या नौकरी के साथ भी कर सकते हैं। आप यह भाषाओं के लिए कर सकते हैं। आजकल कई क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी कई लोगों की मांग है। सोशल मीडिया कंसलटेंट. आज प्रचार करने का सबसे अच्छा साधन है सोशल मीडिया। हर कोई खुद के लिए या अपनी संस्था के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में आप सोशल मीडिया से संबंधित कोई कोर्स करके या इसके बारे में पढ़कर आप पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कई लोगों के सोशल अकाउंट संभालने होंगे।

12 वीं के बाद करें ये पाठ्यक्रम

अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं में सफ्ल नहीं हुए हैं तो भी 12 वीं के बाद भी आपके पास कैरियर बनाने के कई अवसर उपलब्ध हैं। कई बार छात्रों को समझ नहीं आता कि 12वीं के बाद किस प्रकार वह रोजगार हासिल कर सकते हैं। 12 के बाद भी कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं जिसमें 12 पास दाखिला लेकर अच्छे पैसे कमा सकते हैं।

टूरिज्म कोर्स-अगर आपको घूमना पसंद है तो आप यह कोर्स कर सकते हैं जिसे करने के बाद आपको पैसे कमाने के साथ साथ घूमने का भी मौका मिलेगा। 12वीं के बाद होने वाले टूरिज्म कोर्स करने के बाद अच्छे पैसे कमा सकते हैं। देश में कई कॉलेज यह कोर्स करवा रही है और इसकी फीस भी कई प्रोफेशन कोर्स के मुकाबले कम है।

इंजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्सेस- अगर आपका सपना बचपन से ही इंजीनियर बनने का रहा है और आप कॉलेज में एडमिशन नहीं ले पा रहे हैं तो आप इंजीनियरिंग का डिप्लोमा भी कर सकते हैं।

म्युचुअल फंडस कितने प्रकार के होते हैं कैसे करें सही निवेश

आज के समय में म्यूचुअल फंड निवेश आम लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि इसमें छोटी रकम से भी लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना होती है। लेकिन निवेश से पहले यह समझना बेहद जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कितने प्रकार के होते हैं और आपके लिए कौन-सा सही है। भारत में म्यूचुअल फंड को मुख्य रूप से स्ट्रक्चर, एसेट क्लास, इन्वेस्टमेंट के मकसद और रिस्क प्रोफ़ाइल के आधार पर बांटा जाता है। ये कैटेगरी इन्वेस्टर को ऐसी स्कीम चुनने में मदद करती हैं जो उनके फाइनेंशियल लक्ष्यों, लिक्विडिटी की ज़रूरतों और रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से हों। मुख्य तरह के फंड में इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और मनी मार्केट फंड शामिल हैं।

म्यूचुअल फंड भारत के सबसे पसंदीदा इन्वेस्टमेंट ऑप्शन में से एक बन गए हैं, जो डाइवर्सिफिकेशन, प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट और कई तरह के एसेट क्लास तक आसान एक्सेस देते हैं। चाहे आप पहली बार इन्वेस्टर हों या लॉन्ग-टर्म पोर्टफोलियो बना रहे हों, अलग-अलग तरह के म्यूचुअल फंड को समझने से आपको क्लैरिटी और कॉन्फिडेंस के साथ इन्वेस्ट करने में मदद मिलती है।

म्यूचुअल फंड क्या होता है?

म्यूचुअल फंड एक इन्वेस्टमेंट का तरीका है जो कई इन्वेस्टर्स से पैसा इकट्ठा करके स्टॉक्स, बॉन्ड्स और दूसरी सिक्योरिटीज़ के अलग-अलग तरह के पोर्टफोलियो में इन्वेस्ट करता है, जिसे प्रोफेशनल फंड मैनेजर मैनेज करते हैं। हर इन्वेस्टर के पास फंड की यूनिट्स या शेयर्स होते हैं और इन यूनिट्स की वैल्यू नेट एसेट वैल्यू (ह्रङ्क) से पता चलती है, जो अंदरूनी इन्वेस्टमेंट्स के परफॉर्मेंस के आधार पर ऊपर-नीचे होती रहती है। इन्वेस्टर्स सीधे तौर पर अलग-अलग सिक्योरिटीज़ के मालिक नहीं होते; वे खुद फंड के शेयर्स के मालिक होते हैं।

आज के समय में म्यूचुअल फंड निवेश आम लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, क्योंकि इसमें छोटी रकम से भी लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना होती है। लेकिन निवेश से पहले यह समझना बेहद जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कितने प्रकार के होते हैं और आपके लिए कौन-सा सही है।

भारत में म्यूचुअल फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड बाजार को नियंत्रित करता है और निवेशकों को जागरूक करने का काम-म्यूचुअल फंड्स के मुख्य प्रकार--1. इक्विटी म्यूचुअल फंड

- पैसा मुख्य रूप से शेयर बाजार में लगाया जाता है।
- फायदे- लंबे समय में अधिक रिटर्न की संभावना और महंगाई को मात देने में मददगार होता है ।
- जोखिम- बाजार गिरने पर नुकसान भी हो सकता है।
- किसके लिए सही- जो 5-10 साल या उससे ज्यादा निवेश कर सकते हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं।

2. डेट म्यूचुअल फंड - पैसा सरकारी बॉन्ड, कॉरपोरेट बॉन्ड जैसे सुरक्षित साधनों में लगाया जाता है

- फायदे-अपेक्षाकृत स्थिर रिटर्न।
- जोखिम- कम जोखिम और रिटर्न इक्विटी से कम होता है।
- किसके लिए सही- जो सुरक्षित निवेश चाहते हैं और कम समय के लक्ष्य वाले निवेशक हैं।

3. हाइब्रिड म्यूचुअल फंड - इक्विटी + डेट दोनों में निवेश।

- फायदे- जोखिम और रिटर्न में संतुलन और कम उतार-चढ़ाव।
- किसके लिए सही- मध्यम जोखिम वाले निवेशक और पहली बार निवेश करने वाले लोग।

4. इंडेक्स फंड -- किसी शेयर बाजार इंडेक्स को कॉपी करते हैं।

- फायदे- कम खर्च और बाजार के औसत रिटर्न के करीब प्रदर्शन।
- जोखिम- बाजार गिरेगा तो फंड भी गिरेगा।
- किसके लिए सही- लंबी अवधि के धैर्यवान निवेशक।

5. सेक्टोरल/थीमैटिक फंड

- किसी खास सेक्टर में निवेश जैसे ड्डञ्ज, बैंकिंग, फार्मा।
- फायदे- सही समय पर बड़ा मुनाफा।
- जोखिम- सेक्टर गिरा तो भारी नुकसान।
- किसके लिए सही- अनुभवी निवेशक।

सही म्यूचुअल फंड कैसे चुनें?

1. अपने लक्ष्य तय करें -- घर खरीदना - बच्चों की पढ़ाई
- रिटायरमेंट - आपातकालीन फंड 2. निवेश अवधि समझें
- 1-3 साल - डेट फंड - 3-5 साल - हाइब्रिड फंड
- 5+ साल - इक्विटी फंड 3. जोखिम उठाने की क्षमता पहचानें
- कम जोखिम - डेट फंड - मध्यम जोखिम - हाइब्रिड फंड
- अधिक जोखिम - इक्विटी फंड 4.

निवेश के फायदे--- हर महीने छोटी रकम निवेश

- बाजार गिरे-चढ़े तो औसत लागत कम होती है
- आदत बनती है बचत की

5. पिछले प्रदर्शन पर ही भरोसा न करें

- फंड मैनेजर का अनुभव
- खर्च अनुपात -- जोखिम स्तर
- फंड का स्थायित्व

निवेश करते समय जरूरी सावधानियां

- बिना समझे किसी की सलाह पर पैसा न लगाएं
- ज्यादा रिटर्न के लालच में जोखिम भरे फंड न चुनें
- समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करें
- टैक्स प्रभाव को भी समझें

कम सैलरी पर भी मिलेगा पर्सनल लोन?

कम सैलरी पर भी पर्सनल लोन संभव है, लेकिन लोन की राशि आपकी आय, क्रेडिट स्कोर, नौकरी की स्थिरता और मौजूदा फाइनेंशियल देनदारियों पर निर्भर करती है। छोटे सैलरी ब्रैकेट में भी आप लाखों का लोन पा सकते हैं, लेकिन यह ज़रूरी है कि आप अपनी फाइनेंशियल प्रोफ़ाइल को मजबूत रखें।पर्सनल लोन क्या होता है? पर्सनल लोन एक बिना गारंटी (नो कोलेटरल) ऋण होता है जिसे आप अपनी व्यक्तिगत जरूरतों जैसे मेडिकल खर्च, शादी, यात्रा, शिक्षा, आदि के लिए ले सकते हैं। यह आम तौर पर बैंक या NBFCs (नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी) के माध्यम से मिलता है। पर्सनल लोन में आय, नौकरी की स्थिरता, CIBIL स्कोर, मौजूदा श्वस्र्ड बोझ जैसे कई फैक्टर ध्यान में रखे जाते हैं।

गुणवत्ता बने भारत की वैश्विक पहचान : डॉ. चौहान

नीलोखेड़ी, 10 अप्रैल (सुरेश मिड्ढा) : हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का आधार गुणवत्ता बननी चाहिए, सरकारी कामकाज की प्रक्रियाओं, विकास कार्यों और निजी क्षेत्र में काम करने वाले उद्योगों तक गुणवत्ता को शिखर प्राथमिकता दिए जाने की जरूरत है। डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने आज यहां हरियाणा गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण और ग्रामीण विकास संस्थान के संयुक्त तत्व प्रावधान में आयोजित अभियंताओं के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योग कर्मसु कौशल की प्राचीन भारतीय अवधारणा सरकारी तंत्र की कार्य संस्कृति का हिस्सा बने, इसके लिए नई पीढ़ी के अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित होकर काम करना पड़ेगा। डॉ चौहान ने कहा कि च्गुणवत्ता आश्वासनज्ज् केवल एक प्रशासनिक या तकनीकी शब्द नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य, हमारी सोच और हमारी प्रतिबद्धता का दर्पण है।

गुणवत्ता आश्वासन का अर्थ केवल किसी उत्पाद या सेवा की जांच करना नहीं, बल्कि शुरुआत से अंत तक हर प्रक्रिया में उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। गुणवत्ता आश्वासन हमें यह सिखाता है कि हम जो भी करें, उसे सर्वोत्तम ढंग से करें। यह काम चलाऊ संस्कृति से उत्कृष्टता की संस्कृति की ओर ले जाने वाला एक सशक्त माध्यम है। जब हम गुणवत्ता पर ध्यान देते हैं, तो न केवल परिणाम बेहतर होते हैं, बल्कि लोगों का विश्वास भी मजबूत होता है। इस अवसर पर हरियाणा गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण से विपिन शर्मा (तकनीकी प्रमुख) विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों की कार्यक्षमता को बढ़ाना तथा नवीन तकनीकी व प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुशील मेहता ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उनके आगमन पर आभार व्यक्त किया।

डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि आज के बदलते परिवेश में अधिकारियों को निरंतर सीखते रहना चाहिए, ताकि वे नवीन चुनौतियों का सामना प्रभावी ढंग से कर सकें। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने पर विशेष जोर दिया। हरियाणा गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण के तकनीकी प्रमुख विपिन शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ गुणवत्ता की सतत निगरानी भी जरूरी है, जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता और विश्वास बना रहता है।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुशील मेहता ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न तकनीकी विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे तथा प्रतिभागियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। इस अवसर पर उपमंडल अधिकारी पंचायती राज राजेंद्र सिंह, मनीष दहिया, ईशान कपूर, शिवम, अक्षय, सौरव उप्पल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नपा राजौंद की बजट बैठक में 33 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

राजौंद, 10 अप्रैल (नरेश कुमार) : नगरपालिका राजौंद में वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रधान नपा बबीता की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें सचिव नगरपालिका द्वारा बजट पर विशेष चर्चा करवाई गई। बैठक में नगर के 13 पार्षदों तथा 2 मनोनीत पार्षदों ने भाग लेकर विभिन्न विकास कार्यों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान शहर में होने वाले विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा अन्य जरूरी परियोजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने अपने-अपने वार्डों की आवश्यकताओं को रखते हुए बजट में प्राथमिकताओं को शामिल करने की बात कही। इस दौरान वर्ष 2026-27 के लिए 33 करोड़ रुपये के बजट प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बताया गया कि इस बजट के माध्यम से शहर में सड़क, सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। बैठक शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और अंत में सभी पार्षदों ने विकास कार्यों को गति देने के लिए मिलकर काम करने का भरोसा जताया। नगरपालिका प्रशासन ने उम्मीद जताई कि इस बजट से शहर के विकास को नई दिशा मिलेगी और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विष्णु नगर में लगने वाले अस्थाई बाजार को निगम ने हटवाया, आमजन को मिली राहत

यमुनानगर, 10 अप्रैल (दिनेश कुमार) : नगर निगम के वार्ड 19 के विष्णु नगर में हर माह नौ व 10 तारीख को लगने वाले अस्थाई बाजार शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने हटवाया दिया। हर माह यहां सैकड़ों दुकानदार बिना अनुमति के जगाधरी वर्कशॉप रोड व आसपास दुकानें लगाकर सामान बेचते थे। सड़क पर अतिक्रमण होने से यहां जाम की स्थिति बनती थी। जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। शुक्रवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर निगम की टीम ने अस्थाई बाजार हटाने की कार्रवाई की। बता दें कि नगर निगम के वार्ड नंबर 19 के विष्णु नगर में पेट्रोल पंप के पास खाली जगह में हर माह की नौ व 10 तारीख को बाजार लगता है। जहां बाहर से आए दुकानदार फड़ी व स्टॉल लगाकर कपड़े व अन्य सामान बेचते है। दुकानदार सड़कों पर अतिक्रमण कर अपना व्यवसाय करते है। जिससे वर्कशॉप रोड पर जाम की स्थिति बनी रहती है। आमजन की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर शुक्रवार को मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह, सफाई निरीक्षक सुशील शर्मा, अजीत सिंह, कृष्ण कुमार, सतबीर सिंह व होमगार्ड के जवानों की टीम पार्षद हरजीत आनंद, व पार्षद संदीप धीमान के साथ यहां पहुंची। नगर निगम की टीम द्वारा जेसीबी की मदद से जेसीबी की मदद से अस्थाई बाजार को साफ कराया। निगम की टीम द्वारा सड़क किनारे टेंट व बेंच को उठाकर साफ कराया। वहीं, दुकानदारों को चेतावनी दी कि यदि दोबारा यहां पर अवैध तरीके से बाजार लगाया तो बड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने कहा कि शहर को सुंदर, साफ व स्वच्छ बनाने के लिए निगम अनेक प्रयास कर रहा है। शहर में विशेष सफाई अभियान, अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़कों के डिवाइडर को सुंदर बनाने व हर नाले व नाली की सफाई करने का कार्य किया जा रहा है। शहर को कचरा मुक्त और अतिक्रमण मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आमजन से अपील है कि वे शहर को साफ व सुंदर बनाने में सहयोग करें। खुले में कचरा न डाले। पॉलिथीन का इस्तेमाल न करें। दुकानदार सड़कों पर अतिक्रमण न करें। शहर को व्यवस्थित बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि शहर में कहीं भी अवैध कब्जे व अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिला में 1 लाख 8 हजार 732 मीट्रिक टन गेहूं की हुई आवक

करनाल, 10 अप्रैल (प्रवीन) : जिला की मंडियों में गेहूं की आवक जारी है। मंडियों में गेहूं की आवक के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए गए थे जिनका समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को हरियाणा वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव सी. जी. रजनी कांथन व उपायुक्त उत्तम सिंह सहित अन्य अधिकारियों द्वारा अनाज मंडियों का दौरा कर फसल खरीद व उठान व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डी.सी उत्तम सिंह ने बताया कि गत दिवस तक जिला में करीब 1 लाख 8 हजार 732 मीट्रिक टन की आवक विभिन्न परचेज सेंटरों व मंडियों में हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 27242 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 10764 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 11385 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 5093 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की बिक्री के दौरान किसानों को आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित समाधान के लिए डीआरओ कार्यालय में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके साथ ही गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने और किसानों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0184-2267271 व 0184-2980735 जारी किए गए हैं। यह हेल्पलाइन सेवा प्रतिदिन प्रात: 6.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक क्रियाशील रहेगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पंजीकृत नंबर वाले ट्रैक्टर ही मंडियों में लेकर आएं। यदि किसी विशेष परिस्थिति में किसान ऐसा नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें संबंधित एसडीएम से अनुमति लेनी होगी।

एसडीएम ने चीका अनाज मंडी का किया दौरा, गेहूं खरीद कार्य का किया निरीक्षण

कैथल, 10 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : एसडीएम ने शुक्रवार को चीका अनाज मंडी में स्थित मार्किट कमेटी कार्यालय में आढ़तियों तथा खरीद एजेंसियों के साथ बैठक की। उन्होंने संबंधित खरीद एजेंसियों से गेहूं खरीद के दौरान आने वाली समस्याओं को जाना। आढ़तियों तथा खरीद एजेंसियों ने एसडीएम को बताया कि उनके द्वारा गेहूं की खरीद समुचित तरीके से की जा रही है। लेकिन उनको बारदाना(बोरी) समय पर उपलब्ध नहीं हो रहा है। जिस कारण उनकों गेहूं के उठान में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एसडीएम ने संबंधित आढ़तियों व खरीद एजेंसियों की समस्याओं को सुनने उपरांत हैफेड एजेंसी को निर्देश दिए कि वे बारदाना(बोरी) समय तथा समुचित तरीके से वितरित करें। आढ़तियों व खरीद एजेंसियों को बारदाना (बोरी) से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सचिव मार्किट कमेटी को निर्देश देते हुए कहा कि वे बारदाना वितरित करने के कार्य पर कड़ी निगरानी करें। आढ़तियों तथा खरीद एजेंसियों की हर समस्या को सुन दूर करने का कार्य करें। अधिकारी आढ़तियों तथा खरीद एजेंसियों के साथ आपसी तालमेल बनाकर खरीद कार्य को सुचारू रखें। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। इसके बाद एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने चीका अनाज मंडी तथा कैथल-पटियाला रोड़ पर स्थित अतिरिक्त अनाज मंडी का दौरा किया।

उन्होंने गेहूं खरीद कार्य के बारे में पूर्ण फीडबैक ली। उन्होंने आढ़तियों तथा खरीद एजेंसियों को कहा कि गेहूं को बोरियों में भरने के बाद सही तरीके रखें। जिससे गेहूं उठान में परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिस अधिकारी की ड्यूटी जिस खरीद केंद्र पर लगाई गई है। वे अपनी ड्यूटी का कर्तव्य से निर्वहन करें। सीजन के दौरान किसानों को गेट पास, गेहूं के लिए पर्याप्त स्थान, पीने के पानी, समय पर गेहूं का उठान आदि समस्याएं नहीं होनी चाहिए। एसडीएम ने किसानों से आह्वान किया कि वे अपनी फसल को पूरी तरह सुखाकर लाएं, ताकि फसल की खरीद समय पर हो सकें। किसान खरीद एजेंसियों व प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें।

गुहला पुलिस द्वारा गांव खरका में की गई पैदल गश्त, नशा तस्करों को चेतावनी

कैथल, 10 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार कानून व्यवस्था को मजबूत करने और आमजन में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से गुहला थाना प्रभारी पीएसआई शनेष की अगुवाई में गांव खरका में विशेष पैदल गश्त की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की इस दौरान करीब 30 पुलिस कर्मचारियों की टीम ने पूरे गांव में पैदल मार्च करते हुए मुख्य गलियों व सार्वजनिक स्थानों का दौरा किया। पुलिस टीम की मौजूदगी से ग्रामीणों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हुआ तथा असामाजिक तत्वों में भय पैदा हुआ। गश्त के दौरान पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। लोगों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास भी नशे को बढ़ावा न दें। साथ ही युवाओं को विशेष रूप से नशे से बचने और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि नशे का अवैध कारोबार करने वाले व्यक्तियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं भी नशे की खरीद-फरोख्त या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। कैथल पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और अपराध पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

समाधान शिविर-शिकायतों के निपटान में जिले को अव्वल बनाए रखने के लिए सतर्कता से काम करें अधिकारी : डीसी अपराजिता

कैथल, 10 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इससे पहले राज्य स्तर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्वा सिंह वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों को समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के संदर्भ में आवश्यक निर्देश दिए। डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों के निपटान में कैथल जिला प्रदेश में अव्वल स्थान पर है। अव्वल स्थान बनाए रखने के लिए अधिकारी सतर्कता से काम करें। समाधान शिविर में जो भी शिकायत आती है, उन्हें लंबित न रखें। समय रहते उनका समाधान करवाएं। ताकि समाधान शिविरों का आयोजन आमजन के लिए सार्थक साबित होता रहे। जिले में अब तक समाधान शिविर में 5642 शिकायतें आई, जिनमें से 5087 शिकायतों का समाधान करवा दिया गया। डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविरों में आई शिकायतों के निवारण में तेजी लाएं, ताकि जिला कैथल प्रदेश में पहले स्थान पर रहे। कोई भी शिकायत लंबित न रखी जाए। यदि किसी भी समस्या का समाधान करने में कोई समस्या आ रही है तो तुरंत मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए।

सभी अधिकारी आपसी तालमेल के साथ ओर अधिक मेहनत करें। बेहतर परफॉर्मेंस के स्टेटस को बरकरार रखें। समाधान शिविरों में आई शिकायतों का तुरंत समाधान करके गुणवत्तापूर्वक एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) अपलोड करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुने। जरूरतमंद व्यक्ति अपनी समस्या आपके समक्ष रखता है, तो अच्छे व्यवहार से समस्या का समाधान करवाएं, ताकि शिकायत कर्ता पूरी तरह से संतुष्ट हो।

डीसी ने इस दौरान सीवरेज, पानी, राजस्व व बस स्टॉप से संबंधित समस्याओं को मौके पर सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल्द ही इन शिकायतों का समाधान कर, रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में भिजवाएं। डीसी ने कई शिकायतकर्ताओं की शिकायत सुनकर मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाया और शिकायत लंबित रहने का कारण जाना। डीसी ने नगर परिषद सचिव को निर्देश दिए कि कब्जे संबंधी शिकायत का मौके पर जाकर निवारण करवाएं। इसी प्रकार उन्होंने कई शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का बारीकी से अध्ययन कर अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। जिससे समाधान शिविर में पहुंचें शिकायतकर्ता भी संतुष्ट नजर आए।

इस मौके पर एसडीएम संजय कुमार, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, डीएमसी कपिल शर्मा, शुगर मिल एमडी कृष्ण कुमार, डीएसपी रोहताश, डीडीपीओ रितू लाठर के अलावा विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

कैंची चौक पर दुकानदारों का कब्जा सड़क पर रेंगते वाहन और जाम से जनता बेहाल

कलायत, 10 अप्रैल (सुबे सिंह) : कस्बे का मुख्य हृदय स्थल माना जाने वाला कैंची चौक इन दिनों अतिक्रमण की चपेट में है। स्थानीय दुकानदारों द्वारा सड़क के काफी हिस्से तक अपना सामान फैला देने के कारण यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि मुख्य मार्ग होने के बावजूद दुकानदारों ने अपनी दुकानों का सामान फुटपाथ से आगे सड़क तक बढ़ा लिया है। इस अतिक्रमण के कारण सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है। स्थिति यह है कि भारी वाहन चालकों को मजबूरन अपनी गाड़ियां सड़क के बीचों-बीच या आवाजाही वाले हिस्से में खड़ी करनी पड़ती हैं, जिससे घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं फुटपाथ पर सामान होने के कारण पैदल चलने वालों को अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क के बीच से गुजरना पड़ता है। इसके अलावा बड़े ट्रकों और बसों को मुड़ने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती, जिससे अक्सर यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। वहीं सड़क संकरी होने की वजह से आए दिन छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि कैंची चौक पर बढ़ रहे इस अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और सड़क को जल्द से जल्द कब्जा मुक्त कराया जाए ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए निपटारा : डॉ. राहुल रईया

करनाल, 10 अप्रैल (परमजीत कौर) : एडीसी डॉ. राहुल रईया ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका निपटारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत की एटीआर को पोर्टल पर सही ढंग से अपलोड किया जाए तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। एडीसी डॉ राहुल रईया शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों के समाधान को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। इससे पहले चंडीगढ़ से हरियाणा सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह ने सभी जिला उपायुक्तों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें, ताकि लोगों का सरकार और प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर लागू करने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान हो और उसकी गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि शिकायत दोबारा लंबित न रहे। ज्यादा पुरानी शिकायतों पर फोकस करके, उनका जल्द निपटान सुनिश्चित करें। एडीसी ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर सीटीएम मोनिका शर्मा, एस्टेट अधिकारी अदिति, डीडीपीओ कंचनलता, डीएसपी संदीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा 11 व 13 अप्रैल को जिले के विभिन्न क्षेत्रों का करेंगे दौरा

हिसार, 10 अप्रैल (ब्यूरो) : हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा 11 व 13 अप्रैल को हिसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे। यह जानकारी देते उनके निजी सचिव ने बताया कि दौरा कार्यक्रम के अनुसार कैबिनेट मंत्री 11 अप्रैल को 11 बजे गांव खरड़ अलीपुर पहुंचकर वहां डॉ भीम राव अम्बेडकर की मूर्ति का अनावरण करेंगे। इसी प्रकार 13 अप्रैल को 11 बजे कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा बरवाला पहुंचकर मॉडर्न मंडी के निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही नगर परिषद बरवाला के विभिन्न वार्डों में सडक़ों एवं अन्य विकास कार्यों का शुभारंभ भी करेंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान वे आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनेंगे तथा अधिकारियों को निर्देश देंगे।

जिला प्रशासन अक्षय तृतीय के दिन बाल विवाह रोकने के लिए पूरी तरह सतर्क : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 10 अप्रैल (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि अक्षय तृतीय के पवित्र दिन अनेक धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है और इस दिन सामूहिक बाल विवाह के आयोजनों की भी संभावना होती है। बाल विवाह निषेध अधिनियम के नए संसोधन के अनुसार लड़कों के लिए 21 वर्ष की आयु से पूर्व और लड़कियों के लिए 18 वर्ष से पहले विवाह गैर कानूनी होने के साथ साथ पहले दिन से ही अमान्य माना जाता है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में आगामी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन बाल विवाह की रोकथाम के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की शादी गैर कानूनी व अमान्य मानी जाती हैं और शादी करने और इसमें सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, उसको बढ़ावा देता है या करने में उसकी किसी भी प्रकार से सहायता करता है उसे 2 साल तक की सजा या 1 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा पोक्सों एक्ट की धाराओं के तहत मामला भी दर्ज किया जा सकता है।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कहा कि बाल विवाह रोकने के लिए पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, बाल कल्याण समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के साथ-साथ एनजीओ और अन्य सामाजिक संगठन अक्षय तृतीय के अवसर पर जिला में बाल विवाह रोकने के लिए एक टीम के रूप में कार्य करें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बाल विवाह से जहां बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर बुरा असर पड़ता है, वहीं बच्चों के उत्पीड़न व शोषण को भी बढ़ावा मिलता है। बाल विवाह से बच्चों की शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर समाप्त होते है और मातृत्व मृत्यु दर में बढ़ोतरी होती है। उपायुक्त जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें अपने आसपास बाल विवाह होने से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है तो वे हेल्पलाइन नंबर 100, 181, 112 और 1098 पर दें ताकि बाल विवाह को रूकवाया जा सके और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लाई जा सके। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बाल विवाह जैसे गैर कानूनी अपराध को रोकने के लिए कडे कदम उठाने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना भी आवश्यक है। उन्होने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि 19 अप्रैल को अक्षय तृतीय के दिन सरपंचों और पंचायत सदस्यों को अत्यधिक सतर्क रहने के लिए कहा जाए ताकि वे अपने अपने गांवों में बाल विवाह के संभावित मामलों पर पैनी नजर रख सकें और किसी भी संदिग्ध और नियोजित बाल विवाह के बारे में हेल्पलाईन नंबर पर जानकारी दे सकें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी स्कूलों और कालेजों में ड्राप आउट छात्र व छात्राओं पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में नुक्कड़, नाटक, निबंध लेखन प्रतियोगिता और रैली और अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों और अभिभावकों को शादी की कानूनी आयु और शिक्षा को जारी रखने के बारे में शिक्षित किया जाए।

इस अवसर पर एडीसी विवेक आर्य, एसडीएम अमन कुमार, एसडीएम अनुभव मेहता, डीएसपी सुनील कुमार, सीडीपीओ कुसुम कंबोज, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रोटेक्शन अधिकारी डॉ. भानु गौड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वार्ड 13 में 58.38 लाख से बनेगी सड़कें व गलियां, मेयर व विधायक ने किया शिलान्यास

जम्मू कॉलोनी में 35.50 लाख से बनेगी विभिन्न गलियां व 22.88 लाख से ममीदी की मुख्य सड़क

यमुनानगर, 10 अप्रैल (दिनेश कुमार) : नगर निगम मेयर सुमन बहमनी और विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने शुक्रवार को वार्ड 13 में 58.38 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न सड़कों का शिलान्यास किया। उन्होंने वार्ड पार्षद श्याम लाल शर्मा, सहायक अभियंता मृणाल जैयसवाल व अन्य लोगों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर सड़कों के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया और क्षेत्रवासियों को जल्द बेहतर सड़क सुविधा देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने निगम अधिकारियों को विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने व निर्धारित समय पर कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने बताया कि वार्ड 13 की जम्मू कॉलोनी में 35.50 लाख रुपये की लागत से राजपाल आटा चक्की से राधा स्वामी सत्संग भवन तक, बिल्ला के घर से सुखबीर के घर तक, जोगिंद्र के घर से राजू के घर तक व सुरेंद्र लाल की करियाना दुकान से राजन के घर तक सड़कें बनाई जाएंगी।

इसके अलावा 22.88 लाख रुपये की लागत से सहारनपुर-कुरुक्षेत्र रोड से ममीदी गांव तक सड़क निर्माण कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम लगातार वार्ड स्तर पर जरूरत के अनुसार विकास कार्य करवा रहा है।

हमारा प्रयास है कि किसी भी कॉलोनी में टूटी सड़क या मूलभूत सुविधा की कमी न रहे। विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि राज्य सरकार और नगर निगम का लक्ष्य शहर के हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि वार्ड 13 में बेहतर सड़कें बनाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। सड़कें बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र का समग्र विकास भी तेज होगा। वार्ड पार्षद श्याम लाल शर्मा ने कहा कि नई सड़कें बनने से जम्मू कॉलोनी और ममीदी गांव मार्ग पर आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा।

सड़क निर्माण शुरू होने से जम्मू कॉलोनी और ममीदी गांव मार्ग के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। आने वाले समय में वार्ड में अन्य विकास कार्य भी कराए जाएंगे। नगर निगम के सहायक अभियंता मृणाल जैयसवाल ने बताया कि निर्माण कार्य तय मानकों और गुणवत्ता के अनुसार कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में मजबूत बेस, बेहतर ड्रेनेज और टिकाऊ सामग्री का विशेष ध्यान रखा जाएगा ताकि लोगों को लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिल सके। निगम की तकनीकी टीम समय-समय पर कार्य की निगरानी करेगी। मौके पर प्रताप, डॉ ज्ञान, जय किशन, श्याम लाल डबरवाल, कमला, शशि, शीला देवी, रूबी, कांता रानी आदि मौजूद रहें।

देश-विदेश में तेजी से बढ़ रहा है होम्योपैथी का प्रसार : डा. मंजू शर्मा

-शिविर में कुल 268 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श एवं दवाइयां की गई वितरित, शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा होम्योपैथी एवं आयुर्वेद के महत्व पर प्रस्तुत किए गए व्याख्यान

कुरुक्षेत्र, 10 अप्रैल (करणदीप सिंह) : जिला आयुर्वेदिक अधिकारी कुरुक्षेत्र डॉ. मंजू शर्मा ने कहा कि होम्योपैथी का प्रसार देश-विदेश में तेजी से बढ़ रहा है तथा यह दिवस महान चिकित्सक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। होम्योपैथी, आयुर्वेद एवं एलोपैथी तीनों ही स्वास्थ्य सेवाओं के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा शुक्रवार को विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर आयुष विभाग कुरुक्षेत्र द्वारा महानिदेशक आयुष हरियाणा के निर्देशानुसार सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर परिसर में निःशुल्क होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर में बोल रही थी। इस शिविर में कुल 268 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श एवं दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ हुई। मंदिर कमेटी के प्रधान जोगिंदर सिंह चौहान ने आयुष विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भावना द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा होम्योपैथी एवं आयुर्वेद के महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉ. रितु व डॉ. गुरप्रीत ने कहा कि कोई भी चिकित्सा पद्धति अपने आप में पूर्ण नहीं होती, सभी की अपनी सीमाएं होती हैं, किंतु समन्वित दृष्टिकोण से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। योग विशेषज्ञ मनजीत ने कहा कि होम्योपैथी और योग का संयुक्त उपयोग रोगों के उपचार में अत्यंत प्रभावी है। अस्थमा रोगियों में होम्योपैथी लक्षणों के आधार पर उपचार करती है, जबकि योग में प्राणायाम के माध्यम से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ाई जाती है। इसी प्रकार जोड़ों के दर्द में होम्योपैथिक दवाओं के साथ योग की स्ट्रेचिंग तकनीकें लाभकारी सिद्ध होती हैं।

डॉ. शुभम ने होम्योपैथिक औषधियों के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोविड काल में आर्सेनिक एल्बम-30 का व्यापक उपयोग किया गया। होम्योपैथी मन एवं शरीर के संतुलन पर कार्य करती है। डॉ. पिंकी ने होम्योपैथी एवं आयुर्वेद के समन्वित उपयोग से मिलने वाले लाभों को विस्तार से समझाया। पार्षद दुष्यंत बख्शी ने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं तथा भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। जोगिंदर सिंह चौहान ने अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि उन्होंने आयुर्वेदिक पद्धति अपनाकर मधुमेह पर नियंत्रण पाया।

यदि हम अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें तो स्वस्थ जीवन संभव है। अंत में जिला आयुष अधिकारी डॉ. मंजू शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया। शिविर के दौरान होम्योपैथिक ओपीडी में डॉ. महेंद्र, डॉ. मोनिका पूनिया व डॉ. आश्मी द्वारा मरीजों की जांच की गई तथा अरुण कुमार, विकास कुमार, अनुराधा व होम्योपैथिक फार्मासिस्ट जसबीर सिंह द्वारा निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। आयुर्वेदिक ओपीडी में डॉ. मीना व डॉ. अदिति द्वारा परामर्श दिया गया तथा आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट धर्मवीर द्वारा औषधियां वितरित की गईं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस प्रकार के शिविरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नियमित रूप से होते रहने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आयुर्वेद एवं होम्योपैथी का लाभ मिल सके। इस अवसर पर होम्योपैथिक काउंसिलिंग मेंबर डॉ. रविंदर ऋषि, पार्षद, वार्ड नं. 13 दुष्यंत बख्शी, राजेंद्र वर्मा, रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-3 प्रधान रिंकू सैनी, आयुष विभाग के असिस्टेंट मनोज कुमार, जिला प्रोग्राम मैनेजर जितेंद्र कुमार, विभाग के चिकित्सक, फार्मासिस्ट, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बैसाखी महोत्सव में परंपरागत दंगल में नजर आएंगी पहलवानों की कसरतबाजी

-रंग-बिरंगी पतंगे भी नजर आएंगी ब्रह्मसरोवर की फिजा में, महिलाओं की मटका रेस, युवाओं की मेहंदी व रंगोली प्रतियोगिता भी रहेगी आकर्षण का केंद्र

कुरुक्षेत्र, 10 अप्रैल (करणदीप सिंह) : कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पहली बार प्रदेश सरकार की तरफ से बैसाखी महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में परंपरागत दंगल में पहलवानों की कसरत और जोश देखने को मिलेगा। इसके साथ ही महिलाओं की मटका रेस और अन्य प्रतियोगिताएं भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। यह सभी प्रतियोगिताएं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मेला ग्राउंड में आयोजित होंगी। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 13 अप्रैल को सुबह 11 बजे बैसाखी महोत्सव 2026 का आगाज करेंगे और 14 अप्रैल को भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समापन समारोह में शिरकत करेंगे। इस समापन समारोह में 500 ड्रोन का विशेष शो आकर्षण का केंद्र रहेगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से पहली बार कुरुक्षेत्र में सरकारी तौर पर प्रदेश स्तरीय बैसाखी महोत्सव 13 व 14 अप्रैल को किया जा रहा है। यह महोत्सव आम जन का महोत्सव है। इस महोत्सव को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं यादगार बनाएंगी। इसमें प्रदेशभर से पहलवान परंपरागत दंगल में न केवल भाग लेंगे, अपितु प्रतियोगिताओं में भी अपना जौहर दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि बैसाखी महोत्सव में हरियाणा की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाया जाएगा। इसके लिए विशेष स्थान निर्धारित किया गया है। इस महोत्सव में दस्तारबंदी और पगड़ी की अलग-अलग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन होगा। इस महोत्सव का खास जुड़ाव पतंगबाजी के साथ होगा। इसके लिए विभिन्न प्रकार की पतंगें देखने को मिलेगी और आकाश में भी रंग-बिरंगी और अलग आकार की पतंग देखने को मिलेगी। इस पतंगबाजी को लेकर भी प्रतियोगिता का आयोजन होना संभावित है। उपायुक्त ने कहा कि महिलाओं एवं बाल विकास विभाग की तरफ से मटका दौड़ प्रतियोगिता के साथ-साथ मेहंदी और रेसिपी जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव को चार चांद लगाने के लिए युवा पीढ़ी भी दो दिन मेहंदी, रंगोली और पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी।

इन सभी प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है और सभी मिलकर इस महोत्सव को सफल बनाने का काम करेंगे। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य, एसडीएम अमन कुमार, नगराधीश आशीष कुमार, एसएसपी सुनील कुमार आदि अधिकारी उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिबा फूले ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह आज हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है : दुनी चन्द

बाबैन, 10 अप्रैल (राजेश कुमार) : सैनी समाज सभा द्वारा बाबैन में 11 अप्रैल को मनाई जाने वाली महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर खंड बाबैन के सरपंचों ने बैठक का आयोजन किया। सरपंचों ने फैसला किया कि वे 11 अप्रैल को बाबैन में मनाए जा रही महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में अपने अपने गांवों से ट्रैक्टर ट्रालियों में आने का फैसला किया। महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे जो इस अवसर पर क्षेत्र के बच्चों के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन का भी नींव पत्थर रखेंगे ताकि इस क्षेत्र के बच्चों को उनके घर द्वार पर ही उच्च शिक्षा ग्रहण करने की सुविधा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर बोलते हुए सरपंच एसोसिएशन जिला कुरुक्षेत्र के प्रधान दुनी चन्द टाटका ने सभी सरपंचों को आह्वान किया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सरपंचों को जो भी जिम्मेदारी मिले वे उसे पुरी लगन के साथ निभाए। उन्होंने कहा कि महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसमें हम सब को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि फूले जी ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह आज हम सब के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और वे महात्मा ज्योतिबा फुले ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का शिलान्यास (नींव पत्थर) भी करेंगे।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम में सर्व समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी सरपंच अपने अपने गांवों के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी लोगों को आमंत्रित करने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाए। इस अवसर पर भाजपा नेता नायब सिंह पटाकमाजरा, बाबैन के सरपंच संजीव सिंगला, धनानी के सुखश्याम सैनी, रामसरन माजरा के ओमप्रकाश, बिन्ट के जसबीर पुनिया, बरगट के रामकरण सैनी, हरिपुरा पवन कश्यप, भूखड़ी के शेर सिंह, मिरचेहड़ी के गुरमीत सिंह, सुरजगढ़ के कुलदीप सिंह, भगवान पुर के लछमन दास, कालवा के जसदीप सिंह, कंदौली के गुरमीत सिंह के अलावा अनेक गांवों के सरपंच उपस्थित रहे।

शिरोमणि अकाली दल ने विनरजीत गोल्डी की अगुवाई में म्युनिसिपल चुनावों को लेकर की मीटिंग

सुनाम उधम सिंह वाला 10 अप्रैल (मोहन शर्मा) म्युनिसिपल चुनावों को लेकर शिरोमणि अकाली दल हल्का सुनाम की ज़रूरी मीटिंग इंजी. विनरजीत

सिंह खड़ियाल जी की अगुवाई में, शिरोमणि अकाली दल हल्का सुनाम ने आने वाले म्युनिसिपल चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक ज़रूरी मीटिंग की। इस मीटिंग में इलाके की कई जानी-मानी हस्तियां और पार्टी वर्कर शामिल हुए। मीटिंग के दौरान, पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल साहिब द्वारा दिए गए प्रोग्राम विचार किए गए मौजूद लोगों ने अपने कीमती सुझाव दिए, जिन्हें आने वाले समय में प्लान के हिसाब से लागू करने पर भी सहमति बनी। इस मौके पर, इंजी. विनरजीत सिंह खड़ियाल जी ने कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए ज़मीनी लेवल पर काम करना बहुत ज़रूरी है और हर वर्कर को अपनी ज़िम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सुनाम हलके की टीम पार्टी के हर प्रोग्राम को कामयाब बनाने के लिए पूरी लगन से काम करेगी। म्युनिसिपल चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी एक स्क्रीनिंग कमेटी बनाएगी। इस कमेटी का मुख्य मकसद चुनाव के लिए काबिल और ईमानदार उम्मीदवारों को चुनना है। कमेटी उम्मीदवारों के कैरेक्टर, पार्टी के प्रति उनकी वफादारी और इलाके में उनकी पॉपुलैरिटी को ध्यान से जांचेगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि टिकटों का बंटवारा स्क्रीनिंग कमेटी की सिफारिशों के आधार पर किया जाएगा, ताकि साफ-सुथरी इमेज वाले उम्मीदवारों को ही मौका मिले। इससे चुनाव प्रक्रिया को ट्रांसपेरेंट और फेयर बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, मीटिंग में पार्टी को ग्राउंड लेवल पर और मजबूत बनाने पर भी चर्चा हुई। वर्करों को लोगों से जुड़े रहने, उनकी समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए आगे आने के निर्देश दिए गए, ताकि पार्टी की पकड़ और मजबूत हो सके। मीटिंग के आखिर में यह भी फैसला लिया गया कि आने वाले चुनाव पूरी तैयारी और एकता के साथ लड़े जाएंगे। इस अवसर पर रविंदर सिंह चीमा, परमिंदर कौर बराड़, अध्यक्ष नगर परिषद, कमलजीत सिंह बराड़, बलविंदर सिंह अकबरपुर, मंडल अध्यक्ष दर्शन सिंह, दर्शन सिंह उपली, परमजीत सिंह निक्का, राजविंदर सिंह, सतगुरु सिंह, गुरदीप सिंह, बलवीर सिंह, रंगी सिंह, दिलबाग सिंह, चमकौर सिंह, सुखविंदर सिंह, भजन सिंह, हरदेव सिंह, सरपंच सुखविंदर सिंह चहल, रणजीत सिंह कूका उपाध्यक्ष, गुरमीत सिंह लाली, जसविंदर सिंह, नरिंदर सिंह नंदू, कांति बाबा, बिल्ला रंधावा, हाकम सिंह, हरबंस सिंह, जगदेव सिंह दुलत, निरवैर सिंह चट्ठे सेखवां, चमकौर सिंह, अंग्रेज सिंह, हमीर सिंह, सुखदेव सिंह, हरभजन सिंह जखेपल, सतनाम सिंह शेरो, अवतार सिंह शेरो, मनजीत कौर सुनाम जीवन सिंह, हरदीप सिंह, हरपाल सिंह, सुखबीर सिंह, निर्भय सिंह, हाकम सिंह, परमिंदर सिंह नमोल जसवीर सिंह, गुरजीत सिंह, लोहा खेड़ा, भूपिंदर सिंह चट्ठा गुरसेवक सिंह बिगरवाल, हरपाल सिंह, कुलदीप सिंह काला, तरसेम सिंह, विक्रम सिंह, हरमेल सिंह पूर्व सरपंच मिश्रा सिंह, नछत्तर सिंह, रजनी बुलान सुनाम, सुरिंदर कौर, गुरभेज लाडी, कुलदीप सिंह, मंदीप सिंह, निरवैर सिंह, कुलदीप और बड़ी संख्या में अकाली दल के सदस्य उपस्थित थे

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने तुंगा और उभावाल गांवों में 75.06 लाख रुपये के विकास प्रोजेक्ट समर्पित किए; अलग-अलग संस्थाओं को ग्रांट चेक बांटे*

सुनाम उधम सिंह वाला 10 अप्रैल (मोहन शर्मा) पंजाब सरकार की गांवों के हर तरह के विकास के लिए की जा रही कोशिशों के तहत, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने आज अपने चुनाव क्षेत्र के तुंगा और उभावाल गांवों में कुल 75.06 लाख रुपये की लागत से पूरे हुए अलग-अलग विकास कामों को समर्पित किया और कई सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को ग्रांट चेक भी बांटे। इस मौके पर बोलते हुए, कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार गांवों की इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कमिटेड है और हर गांव को विकास की मेनस्ट्रीम से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, खेल और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर खास ध्यान दिया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी को बेहतर मौके मिल सकें।गांव तुंगा में, कैबिनेट मंत्री ने 32.56 लाख रुपये की लागत से बने नए स्कूल के कमरे समर्पित किए। इसके अलावा, उन्होंने सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को ग्रांट के चेक भी बांटे, जिसके तहत भगत रविदास वेलफेयर कमेटी को धर्मशाला के लिए 4 लाख रुपये, शिव भोले वेलफेयर क्लब को शिव धर्मशाला के लिए 2 लाख रुपये और गुग्गा मारी वेलफेयर सोसायटी को बाउंड्री वॉल के लिए 2 लाख रुपये दिए गए।

किसान वैलफेयर क्लब की ओर से किसान विज्ञान संगोष्ठी आयोजित

करनाल, 10 अप्रैल (यशपाल कादियान) : किसान वेलफेयर क्लब की ओर से किसान विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन ईलम सिंह की अध्यक्षता में उपकृषि निदेशक कार्यालय में किया गया। क्लब के प्रदेश महासचिव विजय कपूर ने खराब मौसम व बेमौसमी बरसात से खेतों में गेहूं व अन्य फसलों को हुए नुकसान के बारे चर्चा की। मुख्य सलाहकार डा. धर्मवीर सतीजा ने ईरान-अमरीका के बीच युद्ध के कारण रासायनिक खादों की कमी व इनकी कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना और इस वर्ष मानसून में होने वाली वर्षा का अनुमान बताया। आईपीएल बायोलोजिकल्स के विशेषज्ञ डॉ कांती शर्मा व डॉ गुरुरविंद्र सिंह ने विभिन्न फसलों में बढ़ोतरी, कीट व फंफूद प्रबंधन के लिए संजीवनी फसल रक्षक, केन मॉस्टर, ग्रैन्युलर पोटाश एक्टिवा, कालीचक्रा, ग्रिफिन, प्रीमियम फोस्टर आदि उत्पादों बारे बताया। कृषि विज्ञान केंद्र उचानी करनाल के वरिष्ठ कोर्डिनेटर डा. महा सिंह जागलान ने धान की फसल में बौने पौधों वाली बीमारी को लेकर चर्चा की।

इस मौके पर कृषि विभाग के अधिकारी डा. अमरजीत सिंह ने खेती बारे विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मेरी फसल मेरा ब्यौरा, एग्रीस्टैक, पानी के संरक्षण के लिए धान की सीधी बजाई, फसल अवशेष प्रबंधन, मेरा पानी मेरी विरासत, मूंग की खेती को लेकर अपने विचार रखे। बागवानी विशेषज्ञ डा. प्रमोद कुमार मेहता व डा. रहतु लाल ने आने वाले मौसम में नए फल वृक्ष, वर्तमान बागों व फलों की देखभाल और सब्जी के बाजार के भाव बारे बताया।

मदर टीचर स्कूल के पूर्व छात्र चन्नप्रीत सिंह को प्रतिष्ठित एनडीए परीक्षा में 193वां रैंक मिला

बरनाला, 10 अप्रैल (कपिल गर्ग) मदर टीचर स्कूल, बरनाला के लिए आज एक गर्व का क्षण था, जब स्कूल ने अपने विशिष्ट पूर्व छात्र श्री चन्नप्रीत सिंह का स्वागत किया, जिन्होंने हाल ही में प्रतिष्ठित एन.डी.ए. परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 193 हासिल की है। पूरा कैंपस तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा जब छात्र और शिक्षक इस युवा उपलब्धि हासिल करने वाले का सम्मान करने के लिए एक साथ जमा हुए। श्री चन्नप्रीत सिंह की सिफारिश 11 एस.एस.बी. बोर्ड, इलाहाबाद द्वारा की गई थी, और उन्हें नेशनल डिफेंस एकेडमी, पुणे में प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। एन.डी.ए. परीक्षा पास करने से पहले, उन्होंने आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी

इंस्टीट्यूट (ए.एफ.पी.आई.), मोहाली में दो साल का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया था। एक विशेष सभा के दौरान कक्षा दसवीं से बारहवीं के छात्रों को संबोधित करते हुए, श्री चन्नप्रीत सिंह ने मदर टीचर स्कूल की कक्षाओं से लेकर सशस्त्र बलों के द्वार तक की अपनी यात्रा सांझा की। उन्होंने कहा, अनुशासन, निरंतरता और अपने शिक्षकों पर विश्वास ही सफलता का मंत्र है। उन्होंने अपनी नींव मजबूत करने का श्रेय मदर टीचर स्कूल के शिक्षकों को दिया और छात्रों से अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रहने का आग्रह किया। प्रधानाचार्य महोदया ने श्री चन्नप्रीत सिंह को सम्मानित किया और कहा, वे इस बात का जीता-जागता उदाहरण हैं कि मदर टीचर स्कूल के छात्र क्या हासिल कर सकते हैं। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी। सत्र का समापन एक संवादात्मक प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें इच्छुक छात्रों ने एस.एस.बी. की तैयारी और एन.डी.ए. में जीवन के बारे में मार्गदर्शन मांगा। स्कूल ने गर्व के प्रतीक के रूप में श्री चन्नप्रीत सिंह को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

आर्यभट्ट ग्रुप के छात्रों ने विवि स्तर पर शानदार सफलता हासिल की

बरनाला, 10 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) आर्यभट्ट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूट्स ने एक बार फिर शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता साबित की है और विश्वविद्यालय स्तर पर विशेष सम्मान प्राप्त किया है। यह संस्थान हमेशा से अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं और छात्र-केंद्रित वातावरण के लिए जाना जाता रहा है, जिसके परिणामस्वरूप यहाँ के छात्र सभी क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। हाल ही में, महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी , बठिंडा द्वारा जारी मेरिट लिस्ट में, संस्थान के दो होनहार छात्रों ने पदक जीतकर संस्थान का नाम रोशन किया है। आज 10-

04-2026 को, विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान दोनों छात्रों को पदक और डिग्री प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। रूस्ष. केमिस्ट्री (सत्र 2022-24) की छात्रा, मिस शफ़ी ने अपनी लगातार कड़ी मेहनत, लगन और विषय की गहरी जानकारी के दम पर यूनिवर्सिटी में टॉप करके गोल्ड मेडल हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके माता- पिता और शिक्षकों को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे संस्थान में खुशी की लहर दौड़ा दी है। इसी प्रकार, क्ज्ञद्गष्द्ध मैकेनिकल इंजीनियरिंग (सत्र 2020-24) के छात्र श्री लवदीप सिंह ने भी विश्वविद्यालय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करके रजत पदक जीता है, जो उनकी शैक्षणिक क्षमता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी यह सफलता इंजीनियरिंग के क्षेत्र में संस्थान की मज़बूत पकड़ को प्रदर्शित करती है। इस अवसर पर, कैंपस डायरेक्टर डॉ. अजय कुमार मित्तल ने दोनों छात्रों को तहे दिल से बधाई दी और कहा कि यह सफलता केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि संस्थान के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आर्यभट्ट ग्रुप छात्रों को हमेशा उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और उत्साहवर्धक वातावरण प्रदान करता रहेगा, ताकि वे भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छू सकें। डीन इंजीनियरिंग श्री रजनीश नरूला और डीन एकेडमिक डॉ. भावेट गर्ग ने अपने संदेश में कहा कि छात्रों की यह सफलता उनकी निरंतर कड़ी मेहनत, मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने अन्य छात्रों को भी उनसे प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष श्री नवदीप बंसल, श्री विजय कुमार, डॉ. जशनजोत, श्रीमती भावुकता शर्मा और संकाय सदस्यों ने भी दोनों विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

राजकीय महाविद्यालय में सेहत चौपाल के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

घरौंडा, 10 अप्रैल (सतीश कुमार) : राजकीय महाविद्यालय, घरौंडा में महिला प्रकोष्ठ एवं एनटीएफ प्रकोष्ठ के अंतर्गत अमृतधारा अस्पताल के सहयोग से सेहत चौपाल नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार नागिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों के लिए विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान अमृतधारा अस्पताल के सहायक उपाध्यक्ष (संचालन) हरजीत सिंह सोढ़ी ने मानसिक स्वास्थ्य एवं सामान्य स्वास्थ्य विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है।

सोढ़ी ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में उपस्थित लोगों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त किया तथा विभिन्न जांच सुविधाओं का लाभ लिया। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का धन्यवाद करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर गुरनाम सिंह, डॉ. देवेंद्र, डॉ. सुरेश, डॉ. गीता, डॉ. रेखा जांगड़ा, डॉ. अतुल जैन, सुमन, रोहित, नीतू तथा मनीषा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दमदमा साहिब में 14 अप्रैल के समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालू पहुंचें-सिमरनजीत मान की अपील

बरनाला, 10 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) शिरोमणि अकाली दल के पूर्व सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 14 अप्रैल को खालसा पंथ की स्थापना के अवसर पर दमदमा साहिब में होने वाले समागम में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मध्य प्रदेश और राजस्थान में अफीम की खेती हो सकती है, तो पंजाब में भी इसे कानूनी तौर पर अनुमति दी जानी चाहिए। उनका मानना है कि इससे पंजाब में नशे की समस्या को कम करने में मदद मिल सकती है। अस्पताल के मुद्दे पर बोलते हुए मान ने कहा कि बरनाला में बन रहे अस्पताल के लिए 60 करोड़ रुपये की मंजूरी उन्हें अपने सांसद कार्यकाल के दौरान भारत सरकार द्वारा दी गई थी और अब यह प्रोजेक्ट तैयार हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार और संगरूर से सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर इसका श्रेय ले रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने किए काम के आधार पर जनता के सामने आना चाहिए, न कि दूसरों के कार्यों पर वोट मांगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंडरग्राउंड बिजली पोल और तारों का प्रोजेक्ट भी उनके सांसद रहते हुए पास हुआ था, जिसका श्रेय अब पंजाब सरकार ले रही है। 13 अप्रैल को बेअदबी के मुद्दे पर बनाए जा रहे कानून के बारे में उन्होंने कहा कि कानून बनाना सही कदम है, लेकिन इसके लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों की राय लेना बहुत जरूरी है, ताकि एक मजबूत और सर्वमान्य कानून बनाया जा सके। इस दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात करते हुए कहा कि तुर्किस्तान से अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान तक गैस पाइपलाइन लाई जा रही है, जो आगे फाजिल्का तक पहुंच सकती है और इससे भविष्य में बिजली की कमी दूर हो सकती है। इस मौके पर उनके साथ डॉ. हरजिंदर सिंह जखू, जिला प्रधान दर्शन सिंह मंडेर, गुरजंट सिंह कट्टू, पूर्व सरपंच बलवंत सिंह झलूर, यूथ नेता गुरप्रीत सिंह खुड्डी, जिला प्रधान महिला विंग सुखजीत कौर खालसा, महिंदर सिंह सहिजड़ा, बलदेव सिंह बरनाला, गुरनैब सिंह रामपुरा, जीत सिंह मागेवाल, मनजीत सिंह संघेड़ा, गुरमेल सिंह जवंधा, नरेंद्र सिंह कालाबूला सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक शाम मेरे श्याम के नाम भजन संध्या कार्यक्रम में मची कृष्ण नाम की धूम

शाहाबाद मारकंडा, 10 अप्रैल (रूबी) : श्री राधा कृष्ण मंदिर मौहल्ला सैंदा स्टेशन माजरी में मूर्ति स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक शाम मेरे श्याम के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर की संचालिका मोना शर्मा ने बताया कि आज के दिन ही मंदिर में प्रभु की मूर्ति स्थापित की गई थी। मूर्ति स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में यह भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित करवाया गया है। कार्यक्रम में पूर्व

धार्मिक आयोजन समाज में बढ़ाते है भाईचारा : बलदेवराज चावला

नपा प्रधान बलदेवराज चावला ने ज्योति प्रचंड की। पंडित चिराग शर्मा द्वारा विधिवत्त पूजा-अर्चना करवाई गई। भजनीक जतिन जिंदल पिहोवा वाले, रवि राज एवं सागर कोहली ने श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम, मेरे सांवरिया सरकार, लग्न तुम संग लागी कान्हा, मेरे मन में बस गई सूरत कृष्ण की जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंदिर परिसर को आकर्षक और फूलों से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। पूर्व नगरपालिका प्रधान ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भावना को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म और कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से भी ऐसे धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने जिला सैनिक बोर्ड, कुरुक्षेत्र में स्थित लीगल सर्विस क्लिनिक का किया निरीक्षण

कुरुक्षेत्र, 10 अप्रैल (करणदीप सिंह) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला सैनिक बोर्ड, कुरुक्षेत्र में स्थित लीगल सर्विसस क्लिनिक का निरीक्षण किया गया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने निरीक्षण के दौरान सेवानिवृत्त सैनिकों से बातचीत की और उन्हें नालसा वीर सहायता परिवार योजना के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरान पैनल अधिवक्ता रविंदर कुमार ने भी उन्हें डीएलएसए द्वारा प्रदान की जा रही निशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के बारे में अवगत कराया तथा यह बताया गया कि उनके परिवार के सदस्य भी इस योजना का लाभ कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

पंजाबी विकास मंच समाजिक कार्यों के साथ धार्मिक में अग्रसर

- तीन महीने में 16 बार हनुमान चालीसा और एक बार सुंदरकांड का पाठ आयोजन

नीलोखेड़ी, 10 अप्रैल (सुरेश कुमार मिड्ढा) : नीलोखेड़ी पंजाबी विकास मंच का गठन दिसंबर 2025 में किया गया था। मंच का गठन समाज की कुरीतियों को दूर करने और पंजाबी समुदाय की सहायता करने के उद्देश्य से किया गया था। मंच ने महज तीन महीनों में जिस तरह धार्मिक कार्यों में अपनी रूचि दिखाई है। उससे मंच ने पंजाबी समुदाय के अलावा दूसरे समुदायों में भी अपनी पैठ बनाई है। नीलोखेड़ी पंजाबी विकास सभा का गठन 28 दिसंबर 2025 को किया गया था। मंच के गठन के बाद उसे रजिस्टर्ड करवाया गया। तत्पश्चात मंच के अध्यक्ष और पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। चुनाव में लवली कुकरेजा को अध्यक्ष, मुल्खराज को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, टोनी वधवा तथा अमित खन्ना को उपाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त बार एसोसिएशन करनाल के पूर्व अध्यक्ष दीपक सचदेवा को महासचिव, सुनील कटारिया को सह सचिव, संजीव गाबा को कोषाध्यक्ष

तथा सुरेश कुमार मिड्ढा को मीडिया प्रभारी चुना गया। मंच ने पंजाबी समुदाय के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विपत्ति के समय उनकी सहायता की। इस दौरान मंच ने धार्मिक कार्यों में अपनी संलिप्तता बढ़ा दी। दिसबर 2025 में किसान बस्ती के राधाकृष्ण मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया। पाठों का यह सिलसिला आज भी जारी है। राधा कृष्ण मंदिर से सुंदर काण्ड के पाठ के बाद मंच ने अगले हफ्ते नील नगर के सनातन धर्म मंदिर में हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया। हनुमान चालीसा का पाठ आज भी नील नगर के सनातन धर्म मंदिर में जारी है। हर मंगलवार को मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। मंच के प्रधान लवली कुकरेजा ने बताया कि सभा की पहली बैठक 23 नवंबर को हुई थी। चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने के बिल मंच के सदस्यों की संख्या बढ़ कर 78 हो गई है।

राजीव गांधी पॉलिटेक्निक कॉलेज नरवाना में वार्षिक उत्सव में तकनीकी शिक्षा का महत्व

नरवाना, 10 अप्रैल(नरेन्द्र कुमार) : राजीव गांधी पॉलिटेक्निक कॉलेज नरवाना के वार्षिक उत्सव में युवा भाजपा नेता कर्ण प्रताप सिंह मुख्य अतिथि बने और उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज का युग कंप्यूटर और तकनीकी शिक्षा का है और जो विद्यार्थी इस दिशा में निपुण होंगे वे ही भविष्य में सफलता हासिल करेंगे ।कर्ण प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा ऐसा आभूषण है जिसमें किसी और की हिस्सेदारी नहीं होती और शिक्षित युवा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी धरोहर होते हैं। उन्होंने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए बताया कि युवाओं का मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रधानमंत्री द्वारा समय-समय पर परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रमों से दी जा रही है।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की शिक्षा में अधिक निवेश करें। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और कॉलेज के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की। इस मौके पर नरवाना मंडल के गणमान्य सदस्य भी मौजूद रहे और कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई गई।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना : तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड की नि:शुल्क यात्रा के लिए वरिष्ठ नागरिक 15 अप्रैल तक कराएं सरल पोर्टल पर पंजीकरण

करनाल, 10 अप्रैल (सुनील कुमार) : हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब नांदेड, महाराष्ट्र के लिए 5 मई को विशेष ट्रेन रवाना होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस ट्रेन को झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे। सरकार के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है। पात्र व्यक्ति नजदीकी सीएससी सेंटर या अपने स्मार्ट फोन से सरल हरियाणा पोर्टल पर घर बैठे इस निःशुल्क यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

योजना का लाभ उठाने के लिए यह होगी पात्रता

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत आवेदन करने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं, जिनमें वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड या अन्य सरकारी आईडी), परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), शारीरिक रूप से यात्रा के लिए फिट होने की स्वयं घोषणा तथा पिछले तीन वर्षों में योजना का लाभ न लेने की घोषणा शामिल है।

उन्होंने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक का हरियाणा का निवासी होना और परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। प्रवक्ता ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक को एक सहायक को पूर्ण भुगतान पर साथ ले जाने की अनुमति है। वहीं 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग या 1.80 लाख से अधिक आय वाले लोग इस योजना का लाभ पूर्ण भुगतान पर उठा सकते हैं। योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति हर तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर संचालित इस योजना में आवेदन के लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत यात्रियों के रहने, खाने और स्थानीय परिवहन की पूरी व्यवस्था सरकार द्वारा की जाएगी।

पंजीकरण के उपरांत संगत को डीआईपीआरओ कार्यालय में देनी होगी सूचना

प्रवक्ता ने बताया कि आवेदन करने के उपरांत आवेदक को सूचना जिला में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अवश्य देनी होगी ताकि पात्र व्यक्तियों की सूचना रेलवे को समय पर भेजी जा सके। पंजीकृत व्यक्ति 16 अप्रैल से पहले यह सूचना डीआईपीआरओ कार्यालय में अवश्य दें।

नई अनाज मंडी में महाशिवपुराण कथा 17 से 23 मई तक

घरौंड़ा, 10 अप्रैल (सतीश कुमार) : यमदृष्टि फाउंडेशन के तत्वावधान में नई अनाज मंडी में 17 से 23 मई तक महाशिवपुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा भगवान शिव की

महिमा का गुणगान करेंगे और शिव तत्व का विस्तारपूर्वक वर्णन करेंगे। यह जानकारी दंडी स्वामी सर्वेश्वर आनंद सरस्वती जी महाराज ने दी। उन्होंने बताया कि घरौंडा में आयोजित होने वाली यह कथा देश की चौथी कथा होगी, जिसे पावन भूमि घरौंडा में संपन्न कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विश्व कल्याण तथा समाज में सद्भाव और सकारात्मकता का संचार करना है। आढ़ती संजय मित्तल की दुकान पर पूजन-अर्चना कर भगवान हनुमान का ध्वज चढ़ाया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में फाउंडेशन के सदस्य, आढ़ती एवं अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भैंस चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, 50 हजार रुपये नगदी बरामद

करनाल, 10 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : भैंस चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 50 हजार रुपए की नगदी भी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस को दी शिकायत में नरेश कुमार निवासी गांव भौजी खालसा ने बताया कि बीती 13 जनवरी की मध्य रात्रि को उसके बाड़े से अज्ञात व्यक्ति एक भैंस व कटड़ी चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले की जांच के दौरान सीआईए-1 की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया। रिमांड अवधि के दौरान पूछताछ में आरोपी के कब्जे से 50 हजार रुपये नगद बरामद किए गए, जो चोरी की वारदात से संबंधित बताए जा रहे हैं व आरोपी के खिलाफ उक्त मामले के अलावा जिला करनाल के अन्य थानों में चोरी के करीब 10 से 12 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी से गहनता से पूछताछ की गई और आरोपी की रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुन: न्यायालय के सामने पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जिला में गैस सिलेंडर का स्टॉक पर्याप्त : उत्तम सिंह

करनाल, 10 अप्रैल (मीनाक्षी देवी) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि जिला में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। गैस सिलेंडर का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उपभोक्ताओं को नियमानुसार 25 दिन बाद गैस सिलेंडर की आपूर्ति पहले की तरह हो रही है। आमजन को घबराने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक (डी एफ एस सी)मुकेश कुमार के अनुसार जिला में 42 गैस एजेंसियां हैं और इन सभी अधिकृत गैस एजेंसियों के माध्यम से उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर नियमित रूप से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला में 10 अप्रैल को 16 हजार 794 गैस सिलेंडर का स्टॉक भंडारण है और 7 हजार 853 गैस सिलेंडर बाहर से आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज 5 हजार 899 घरेलू तथा 300 कमर्शियल गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को जिला की विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम से वितरित किए गए हैं। जिला में घरेलू गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा गैस सिलेंडरों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। जिला में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, जमाखोरी व अनधिकृत प्रयोग पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

साकेत में वरिष्ठ नागरिक चलाएंगे अतिक्रमण हटाओ अभियान, फुटपाथ खाली कराने की मांग

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) साकेत के वरिष्ठ नागरिक फुटपाथों पर अतिक्रमण और सड़कों पर जाम से हो रही परेशानियों के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ-राहत दिलाओ अभियान शुरू करेंगे। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के तहत यह पहल की जा रही है। साकेत में वरिष्ठ नागरिक फुटपाथ हमारा है, अतिक्रमण हटाओ-राहत दिलाओ अभियान चलाएंगे। इलाके में फुटपाथ पर अतिक्रमण और सड़कों पर जाम से होने वाली वाली परेशानियों को देखते हुए यह योजना बनाई गई है। सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के तहत यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बुजुर्ग जल्द संबंधित विभागों व अधिकारियों से मिलकर मांगपत्र सौंपेंगे। दरअसल, साकेत में अतिक्रमण, जाम और अवैध पार्किंग से स्थानीय लोग बेहद परेशान हैं। मुख्य सड़कों पर दिनभर जाम के हालात बने रहते हैं। फुटपाथ पर भी अतिक्रमण के चलते लोगों को मजबूरन सड़कों पर चलना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को होती है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों के कहना है कि हमेशा दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। कई बार बुजुर्ग चोटिल भी हुए हैं। ऐसे में समस्या से निजात दिलाने के लिए फुटपाथ खाली कराने और अवैध पार्किंग हटाने की मांग उठाई जाएगी। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश डबास बताते हैं कि फुटपाथ को खाली कराने के लिए हम लोग लंबे समय से मांग उठा रहे हैं। इसे लेकर नगर निगम के कमिश्नर, मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के मुख्य सचिव को भी पत्र भेजा जा चुका है। किसी की तरफ से कुछ नहीं किया जा रहा है।

हमें पैसे नहीं चाहिए, सच्चाई जाननी है, ब्लैक बॉक्स रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक किया जाए

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मोदी से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा कि हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। बता दें 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है।

उन्होंने कहा कि वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है। पीड़ित परिवारों ने पत्र की कॉपी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, डीजीसीए और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भी भेजी हैं। इस मामले में एअर इंडिया की प्रतिक्रिया का इंतजार है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पिछले साल जुलाई में प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी थी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में अगले 5 दिन बारिश नहीं हिमाचल-जम्मू में बर्फबारी

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) अप्रैल में जहां आमतौर पर गर्मी पड़ती है, वहीं इस बार दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम ठंडा बना हुआ है। तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है और लोगों को हल्की सर्दी का अहसास हो रहा है। आईएमडी के अनुसार, 14 अप्रैल तक बारिश की संभावना कम है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि का दौर जारी रह सकता है। दिल्ली में अप्रैल का महीना आमतौर पर तपती गर्मी के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार मौसम का अलग ही रंग देखने को मिल रहा है। बारिश के चलते राजधानी में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को अप्रैल में भी ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 31 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हालांकि, इस बीच आईएमडी के मुताबिक, अगले पांच दिन यानी कि 14 अप्रैल तक बारिश का कोई अनुमान नहीं है। लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। बुधवार को दिल्ली में मौसम ठंडा रहा। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 6.9 डिग्री कम है। यह पिछले 11 वर्षों में अप्रैल का सबसे कम अधिकतम तापमान माना जा रहा है। इससे पहले 23 अप्रैल 2016 को अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। पिछले 24 घंटों के दौरान सफदरजंग में 6.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 4 अप्रैल 2023 के बाद सबसे अधिक है। पालम में हल्की वर्षा दर्ज हुई।

ई-विकास पोर्टल के बगैर उर्वरक विक्रय करने वाले उर्वरक विक्रेताओं के विरूद्व की गई कार्यवाही

दतिया 10 अप्रैल (निस) कलेक्टर स्वप्निल वानखडे के निर्देशानुसार उपसंचालक कृषि विभाग दतिया द्वारा जिले में निजी उर्वरक विक्रेता मैसर्स पीताम्बरा पॉलीपेक सेवढा चुंगी दतिया, मैसर्स श्री धाय महादेव ट्रेडर्स बडोनी, मैसर्स मनोज कुमार गुप्ता बडोनी, मैसर्स महादेव ट्रेडर्स रामपुराखुर्द, मैसर्स किसान कृषि सेवा केन्द्र इंदरगढ, मैसर्स मां पीताम्बरा माई खाद बीज भंडार जुझारपुर, मैसर्स दुवेजी खाद बीज विक्रय केन्द्र उदगुवा, मैसर्स मां लक्ष्मी खाद बीज भंडार बडोनी के विरूद्व उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 में निहित प्रावधान के तहत कार्यवाही करते हुए सभी उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया है। उन्होंने जिले के समस्त निजी उर्वरक विक्रेताओं को भविष्य के लिए निर्देशित भी किया गया है कि समस्त प्रकार के उर्वरकों का विक्रय ई-विकास पोर्टल एवं पीओएस मशीन के द्वारा साथ-साथ किया जाए। यदि कोई भी उर्वरक विक्रेता द्वारा बगैर ई-विकास पोर्टल के केवल पीओएस मशीन से उर्वरक विक्रय करता पाया जाता है तो उर्वरक विक्रय लाइसेंस की निरस्ती संबधी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि उर्वरक वितरण प्रणाली की सतत निगरानी की जावे यदि किसी उर्वरक विक्रेता द्वारा अवैध उर्वरक भंडार/परिवहन उर्वरक की कालाबाजारी, अनियमितता तथा शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर उर्वरक का विक्रय किए जाने की स्थिति में संबधित उर्वरक विक्रेता के विरूद्व वैधानिक कार्यवाही प्रस्तावित की जाए।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली की गर्मी झेलने के लिए हो जाएं तैयार

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) मौसम में बदलाव के बाद तापमान में भी अब उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। बता दें कि लगातार बारिश के बाद दिल्ली की हवा में काफी सुधार दिखाई दिया। दिल्ली में अब मौसम एक बार फिर बदलने जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार (9 अप्रैल) तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। जिससे दिल्ली वालों को काफी गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। दिल्ली में अब मौसम गर्म होने वाला है। दिल्ली में सुबह से ही मौसम साफ रहने की संभावना है। साथ ही अच्छी धूप दिखाई देगी। दिल्ली में गुरुवार को तापमान में बढ़ोतरी के साथ हवा की गति में गिरावट आएगी। घंटा दर्ज की गई। सुबह से ही मौसम में चटक धूप के साथ हल्की गति से हवाएं बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। लोगों को सताएंगी। गर्मी से लोगों की दिक्कते बढ़ने की उम्मीद लगाई जा रही है। मौसम में बदलाव के बाद तापमान में भी अब उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। बता दें कि लगातार बारिश के बाद दिल्ली की हवा में काफी सुधार दिखाई दिया। साथ ही दिल्ली वालों ने बारिश-आंधी, तूफान और ओलावृष्टि से अप्रैल के महीने में ठंड का अहसास किया। दिल्ली में गुरुवार सुबह मौसम खुशनुमा बना हुआ है। सुबह 6 बजे राजधानी का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। वहीं नमी 81 फीसदी और हवा की रफ्तार 5 किलोमीटर प्रति

दिल्ली पुलिस की 857 पीसीआर वैन पर लगेंगे डैशकैम

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) दिल्ली पुलिस ने सभी 857 पीसीआर वैन पर डैशकैम और पुलिसकर्मियों को बॉडी-वॉर्न कैमरे लगाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य अपराध स्थल पर घटनाओं को रिकॉर्ड करना, सबूतों की कमी को दूर करना और जांच प्रक्रिया को तेज करना है। पहले चरण में 300 डैशकैम और बॉडीकैम लगाए जाएंगे। अब दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन अपराध स्थल पर पहुंचते ही हर घटना को रिकॉर्ड करने लगेंगी। दिल्ली पुलिस के कंट्रोल रूम (पीसीआर) यूनिट ने बड़ा फैसला लेते हुए सभी 857 पीसीआर वैन पर डैशकैम लगाने और हर वैन इंचार्ज को यूनिफॉर्म पर बॉडी वॉर्न कैमरा देना तय किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपराध स्थल पर सबूतों की कमी को पूरा करना, जांच प्रक्रिया को तेज करना और पुलिसकर्मियों को झूठे आरोपों से बचाना है। पहले चरण में 300 डैशकैम और 300 बॉडीकैम की खरीद का प्रस्ताव प्रावधान एवं लॉजिस्टिक्स डिवीजन को भेज दिया गया है। यह पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होगा। बाकी बचे 557 वैन और उनके इंचार्ज को एक या दो अतिरिक्त चरणों में कैमरों से लैस किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। पीसीआर वैन आपातकालीन कॉल मिलते ही सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचती हैं। जांच अधिकारी (आईओ) और फॉरेंसिक टीम उनसे 10 से 15 मिनट बाद पहुंचती हैं। इस देरी में कई बार सबूत नष्ट हो जाते हैं या घटनास्थल से छेड़छाड़ हो जाती है। डैशकैम घटनास्थल की पूरी तस्वीर कैद करेंगे, जबकि बॉडीकैम रियल-टाइम बातचीत और इंटरैक्शन रिकॉर्ड करेंगे। इससे सुबूतों को सुरक्षित रखने में काफी मदद मिल सकेगी।

महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान.....अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है। इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमानित नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं। अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो।

जाने नए श्रम कानूनों से किसे होगा लाभ और क्या होगा नुकसान

नई दिल्ली, 10 अप्रैल (निस) नए लेबर लॉ के लागू होने के बाद नौकरी जाने या छोड़ने की स्थिति में कर्मचारियों को कई तरह से मदद मिलेगी। नए लेबर लॉ में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब फुल एंड फाइनल भुगतान सिर्फ 2 दिनों में किया जाएगा, जबकि पहले यह 45 दिन या उससे अधिक तक लगता था। इससे कर्मचारियों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है और नौकरी बदलने या नौकरी जाने के बाद आर्थिक परेशानियों से बचाव होता है।

नए श्रम कानून के तहत अब सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन का अधिकार है, चाहे वे स्थायी, अस्थायी, पार्ट-टाइम या गिग कर्मचारी क्यों ना हो। अतिरिक्त काम करने पर ओवरटाइम का भुगतान निश्चित और समय पर मिलेगा। ग्रैच्युटी का हक भी अब 1 साल के बाद शुरू होगा, जिससे कर्मचारियों को जल्दी वित्तीय लाभ मिलेगा। नौकरी छोड़ने पर तुरंत वेतन और बकाया भुगतान, गिग वर्कर्स और महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करना इस कानून का हिस्सा है। नुकसान यह है कि छोटे उद्योग और स्टार्टअप्स के लिए समय पर भुगतान और बोनस देना महंगा हो सकता है और रिकॉर्डिंग/रिपोर्टिंग का काम बढ़ जाएगा।

सोशल सिक्योरिटी कोड कर्मचारियों को भविष्य निधि (पीएफ), ईएसआई (ईएसआई), ग्रैच्युटी और मातृत्व लाभ जैसी सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। इससे कर्मचारियों को पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं और बीमारी में सहायता मिलेगी। अस्थायी और पार्ट-टाइम कर्मचारी भी इसके लाभ में शामिल होने वाले है। महिला कर्मचारियों को मैटरनिटी लीव सुनिश्चित होगी। हालांकि, कंपनियों के लिए पीएफ, ईएसआई और अन्य लाभ देने की लागत बढ़ सकती है और राज्यों में लागू करने में अंतर से कुछ कर्मचारियों को लाभ में देरी हो सकती है। ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ और वर्किंग कंडीशन कोड सभी कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करता है। इसके तहत कार्यस्थल में स्वच्छता, पानी, टॉयलेट, रेस्ट रूम जैसी सुविधाएं और खतरनाक कामों से सुरक्षा मिलेगी। स्थायी, अस्थायी, गिग वर्कर्स और महिला कर्मचारियों सभी पर लागू होने के कारण सभी कर्मचारी सुरक्षित और कानूनी रूप से संरक्षित रहने वाले है।

हो सकते हैं ये नुकसान -सुरक्षा उपाय, उपकरण, सुविधाएं और स्वास्थ्य मानक लागू करने में खर्च बढ़ सकता है। फैक्ट्रियों और छोटे उद्योगों में नियम लागू करना मुश्किल हो सकता है। अगर नियमों का पालन नहीं किया गया, तब कर्मचारियों की शिकायतों के कारण कानूनी कार्रवाई संभव हो सकती है।

अब तक के नियमों के अनुसार कर्मचारी को कंपनी की तरफ से मिलने वाली ग्रेच्युटी पांच साल काम करने के बाद दी जाती थी लेकिन नए लेबर कोड नियमों के अनुसार इसमें भी अब बड़ा बदलाव किया गया है। अब, फिक्स्ड-टर्म कर्मचारियों को 1 साल के अंदर दी जाएगी।

अगर आप किसी भी कंपनी में एक साल भी काम करते हैं, तब भी कंपनी को आपको ग्रेच्युटी देनी होगी। ग्रेच्युटी का सारा पैसा कंपनी को नौकरी छोड़ने के एक महीने के भीतर ही देना होगा।

युद्ध की मार से सोजत का मेहंदी उद्योग ठप, 250 करोड़ का निर्यात अटका, हजारों मजदूरों को भेजना पड़ा घर

नई दिल्ली,10 अप्रैल (निस) सोजत का विश्व प्रसिद्ध मेहंदी उद्योग इन दिनों वैश्विक संकट की गंभीर मार झेल रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के चलते यहां की 150 से अधिक फैक्ट्रियों में उत्पादन लगभग ठप हो गया है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि करीब 2200 मजदूरों को काम न मिलने के कारण घर भेजना पड़ा है।

व्यापारियों के अनुसार, सोजत से होने वाला करीब 250 करोड़ रुपए का निर्यात फिलहाल पोर्ट और गोदामों में फंसा हुआ है। यह उद्योग सालाना 4 से 5 हजार करोड़ रुपए का कारोबार करता है, लेकिन पिछले एक महीने से एक्सपोर्ट पूरी तरह प्रभावित है। खासतौर पर खाड़ी देशों के लिए बनने वाली नेचुरल मेहंदी और हेयर डाई की मांग में भारी गिरावट आई है, जिससे उत्पादन 80 प्रतिशत तक घट गया है।

निर्यातकों का कहना है कि मुंबई पोर्ट और दिल्ली एयर कार्गो पर करीब 150 करोड़ रुपए का माल अटका हुआ है। युद्ध के कारण शिपिंग रूट्स असुरक्षित हो गए हैं और माल भाड़ा दोगुना हो गया है। इसके साथ ही पहले भेजे गए माल का भुगतान भी समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिससे व्यापारियों की चिंता और बढ़ गई है। मेहंदी उद्योग से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि यह स्थिति कोरोना काल के बाद पहली बार देखने को मिल रही है। मजदूरों का पलायन भी तेज हो गया है, जिनमें अधिकांश उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के अन्य क्षेत्रों से आते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन पर भी नकारात्मक असर पड़ा है।

सोजत की मेहंदी की पहचान वैश्विक स्तर पर है और इसका निर्यात 130 से अधिक देशों—जैसे फ्रांस, आयरलैंड, रूस और ऑस्ट्रेलिया—तक होता है। लेकिन वर्तमान हालात में यह विशाल नेटवर्क भी प्रभावित हो गया है। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि युद्ध जल्द समाप्त नहीं हुआ, तो उद्योग को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उनका कहना है कि भले ही स्थिति तुरंत सामान्य हो जाए, लेकिन कारोबार को पटरी पर लौटने में 4 से 6 महीने का समय लग सकता है।

युवती ने लगाई फांसी: कमरे में मिली लटकी हुई लाश, कारण अज्ञात

जांजगीर-चांपा 10 अप्रैल (निस) जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धाराशिव में एक 23 वर्षीय युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बीती रात की बताई जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतका की पहचान समलेश्वरी पटेल के रूप में हुई है। युवती के पिता बेदराम पटेल ने बताया कि सुबह जब वे सब्जी बेचने के लिए घर से निकलने की तैयारी कर रहे थे, तब उन्होंने बेटी को जगाने के लिए उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने दरवाजे के छेद से टॉर्च की रोशनी में देखा, लेकिन वह बिस्तर पर नजर नहीं आई। इसके बाद परिजनों ने किसी तरह दरवाजा खोला, तो अंदर का दृश्य देख सन्न रह गए। समलेश्वरी पटेल कमरे में मियार से चुनरी के फंदे पर लटकी हुई थी। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। पिता के अनुसार, आत्महत्या का कारण समझ से परे है। सोमवार रात को भी बेटी ने सामान्य बातचीत की थी और खर्च कम करने की बात कही थी। परिवार में किसी प्रकार का विवाद भी नहीं हुआ था। सूचना मिलते ही पामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बंगाल में भाजपा का संकल्पपत्र जारी रोजगार व विकास पर फोकस

पृष्ठ एक का शेष ... भारत, को पूरी तरह लागू करने की बात कही गई है। घोषणापत्र में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया गया है। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित किया जाएगा। साथ ही, गौ तस्करी रोकने और नदी-नालों में पेट्रोलिंग बढ़ाने की भी बात कही गई है।

यूसीसी लागू करने का वादा - बीजेपी ने छह महीने के भीतर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा भी किया है। इसके अलावा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'दुर्गा सुरक्षा स्क्वॉड' का गठन, मुफ्त बस यात्रा और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की गई है। औद्योगिक विकास को लेकर पार्टी ने पहले 100 दिनों में रोडमैप तैयार करने, उत्तर बंगाल के विकास और दार्जिलिंग चाय को वैश्विक पहचान दिलाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही भ्रष्टाचार और माफिया राज खत्म करने के लिए समयबद्ध योजना लागू करने का वादा किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने विश्वास जताया, कि इस विधानसभा चुनाव में बंगाल की जनता बीजेपी को पूर्ण बहुमत देगी और राज्य में एक नई सरकार का गठन होगा। फिर वही आगामी सरकार विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित करेगी।

दिल्लीवालों को मिलेगी बड़ी राहत अब घरेलू बोरवेल नहीं होगा अवैध

नई दिल्ली 10 अप्रैल (निस) मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि हमारा संकल्प दिल्ली में अवैध सिस्टम को खत्म कर हर नागरिक तक कानूनी और सुलभ तरीके से पानी की सुविधा सुनिश्चित करना है। हम लगातार प्रयास कर रहे हैं ताकि किसी भी परिवार को पानी के लिए संघर्ष न करना पड़े। दिल्ली सरकार दिल्लीवालों को बड़ी राहत देने जा रही है। जहां पर दिल्ली जल बोर्ड की पानी की सप्लाई पर्याप्त नहीं है। वहां लोग अब जल्दी ही अपना खुद का बोरवेल लगवा सकते हैं और अगर पहले से बिना मंजूरी के बोरवेल लगवाया हुआ है तो उसको वैध करवा पाएंगे। नई 'बोरवेल और ग्राउंडवॉटर एक्सट्रैक्शन पॉलिसी' को लेकर दिल्ली सचिवालय में बुधवार को संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बैठक के बाद कहा कि वह मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के स्पष्ट निर्देश हैं कि दिल्ली में पानी से जुड़ी व्यवस्थाओं को सरल और जनता के अनुकूल बनाया जाए। हमारी सरकार इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पॉलिसी पर काम कर रही है, ताकि लोगों को पीने के पानी के लिए परेशान न होना पड़े। दिल्ली सरकार और मंत्री का कहना है कि हमारा संकल्प दिल्ली में अवैध सिस्टम को खत्म कर हर नागरिक तक कानूनी और सुलभ तरीके से पानी की सुविधा सुनिश्चित करना है। हम लगातार प्रयास कर रहे हैं ताकि किसी भी परिवार को पानी के लिए संघर्ष न करना पड़े।